

प्राथम्य उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों की दीर्घकालिक स्थिरता में अपना बड़ा योगदान दिया है। डॉ. घोष को यह सम्मान जैव विविधता संरक्षण और प्राथम्य उद्यानों के प्रबंधन में भारत के दृढ़ते नेतृत्व को दर्शाता है। उनका नार्थ पार्क प्रबंधन को मजबूत करने, संरक्षण प्रयासों में स्थानीय समुदायों को शामिल करने तथा पर्यावरण अनुकूल पर्यटन मॉडल को बढ़ावा देने पर केन्द्रित है।



## ह्लोकतंत्र के महापर्व में शामिल हों-जिला निर्वाचन पदाधिकारी सिवान डॉ आदित्य प्रकाश

**सीवन संवाददाता मसरूर अहमद सिवान, 12 अक्टूबर 2025 रविवार** को बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा होते ही सिवान जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों (रस्पएड अभियान) में उल्लेखनीय तेजी आ गई है।

06 नवंबर को मतदान का संकल्प: जिले में मतदाता जागरूकता अभियान तेज आज उसी क्रम में 12 अक्टूबर 2025 को स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान के क्रम में लोगों का अनावरण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सिवान, पुलिस अधीक्षक सिवान एवं जिला के वरीय पदाधिकारी गणों के द्वारा किया गया।

**सिवान जिले के स्वीप लोगो का अनावरण किया गया**

इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिले के प्रत्येक प्रखंड, पंचायत और गांव तक मतदाताओं को जागरूक एवं प्रेरित करने के उद्देश्य से सघन अभियान चलाया जा रहा है।

मतदाताओं को यह संदेश दिया जा रहा है कि वे 06 नवंबर को अपने-अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने बहुमूल्य वोट का



प्रयोग अवश्य करें और लोकतंत्र को सशक्त बनाएं।

**हर स्तर पर सक्रिय हुई जागरूकता टीमें** जिला निर्वाचन पदाधिकारी डॉ आदित्य प्रकाश के निर्देश पर पूरे जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियों को गति दी गई है। जीविका दीदियों, आईसीडीएस की सेविकाओं एवं सहायिकाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा शिक्षा विभाग के स्कूली छात्र-छात्राओं, स्काउट,गाइड की सक्रिय भागीदारी से स्वीप गतिविधियाँ निरंतर जारी हैं।

हर प्रखंड के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (उज्जड) के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान के महत्व से अवगत कराया जा रहा है।

**स्वीप गतिविधियों से गांव-गांव में जागरूकता की लहर** गांवों और कस्बों में रंगोली/मेहंदी प्रतियोगिता, प्रभात फेरी, साइकिल रैली, मोटरसाइकिल रैली, हस्ताक्षर अभियान,

क्विज प्रतियोगिता, निबंध लेखन और वाद-विवाद जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

विद्यालयों के बच्चे हाथों में तख्तायें लेकर हूपहले मतदान, फिर जलपानह, हूवोट है हमारा अधिकारह, हू100 प्रतिशत मतदान हमारा लक्ष्यह जैसे नारे लगाकर लोगों को प्रेरित कर रहे हैं।

**युवा मतदाताओं और फस्ट टाइम वोटर में उमंग और उत्साह** विशेष रूप से प्रथम बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं में उत्साह का माहौल है। कॉलेजों और विद्यालयों में छात्रों के बीच क्विज ,वाद विवाद प्रतियोगिता, निबंध लेखन आयोजित की जा रही हैं। इन आयोजनों से युवाओं में मतदान के प्रति जिम्मेदारी और गर्व को भावना विकसित हो रही है।

**कम प्रतिशत वाले क्षेत्रों पर विशेष फोकस**

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी प्खंड, अफह एवं सेक्टर पदाधिकारियों को निर्देश

दिया है कि वे उन बूथों और टोलों पर विशेष ध्यान दें जहाँ पूर्व में मतदान प्रतिशत कम रहा है। विशेषकर महादलित और सुदूर ग्रामीण इलाकों में लक्षित अभियान चलाकर अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जाय।

डीएम ने कहा कि ह्लोकतंत्र में मतदाता की भागीदारी ही असली शक्ति है। प्रत्येक मतदाता का मतदान करना न केवल उसका अधिकार है, बल्कि लोकतंत्र के प्रति उसकी जिम्मेदारी भी है।हू उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस बार जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है, और इसके लिए सभी अधिकारियों , कर्मचारियों तथा जिलावासियों को मिलकर कार्य करना है।

**प्रतिदिन प्रतिवेदन देने का निर्देश** डीएम ने डीपीओ आईसीडीएस को निर्देश दिया है कि प्रत्येक परियोजना क्षेत्र में संपन्न कार्यक्रमों की गतिविधि रिपोर्ट एवं प्रतिभागियों की संख्यात्मक विवरणी प्रतिदिन जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। इससे अभियान की प्रभावशीलता का आकलन किया जा सकेगा और आवश्यकतानुसार आगे की रणनीति तय की जाएगी।

### बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : पारदर्शी नामांकन प्रक्रिया सुनिश्चित

### करने के निमित्त जिला निर्वाचन पदाधिकारी सिवान एवं पुलिस अधीक्षक

### सिवान ने तैयारी का लिया जायजा



**का सुगम एवं सुदृढ़ सुविधा** बैठक में चुनाव को पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण संपादित करने हेतु महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश जिला पदाधिकारी सिवान एवं पुलिस अधीक्षक सिवान के द्वारा दिया गया।

जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक सिवान ने पारा मिलिट्री फोर्स का शत-प्रतिशत प्रयोग करने का निर्देश दिया। फ्लैग मार्च, चेक पोस्ट पर जांच एवं सभी

संवेदनशील स्थलों पर पैरामिलिट्री फोर्स की प्रतिनिधुक्ति करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के तहत नामांकन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के निमित्त जिला प्रशासन द्वारा पूरी तैयारी कर ली गई है।

निर्वाचन आयोग की मार्गदर्शिका के

## सिवान जिला में निर्वाचन कर्मियों का तीसरे दिन भी प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण जारी

**सीवन संवाददाता मसरूर अहमद**

**सीवन जिले के बिहार विधानसभा आम निर्वाचन-2025** के सुचारु संचालन की दिशा में सिवान जिले में निर्वाचन कर्मियों का प्रशिक्षण तीसरे दिन भी जारी रहा।

**बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के निमित्त प्रशिक्षण कार्य जारी**

यह प्रशिक्षण कार्य जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, डॉ आदित्य प्रकाश के मार्गदर्शन में व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया जा रहा है।

प्रत्येक दिन जिले के प्रशिक्षण केंद्रों पर मतदानकर्मी दो शिफ्टों प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

तीसरे दिन भी सिवान में मतदान



कर्मियों का प्रशिक्षण जारी, ईवीएम, वीवीपेट, मॉक पोल पर विशेष ध्यान मुख्य प्रशिक्षक ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य सभी मतदानकर्मियों को मतदान प्रक्रिया के हर चरण से पूरी तरह परिचित कराना है। प्रशिक्षण में मशीन संचालन, एश्ट एवं रशदअळ का उपयोग, दस्तावेज संधारण, आचार संहिता पालन, आपातकालीन

परिस्थितियों का प्रबंधन और मतदान स्थल पर व्यवस्थित संचालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे कर्मी मतदान दिवस पर अपनी जिम्मेदारी निपुणता और निष्पक्षता के साथ निभाने में सक्षम होंगे। नोडल पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग उपनिदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग श्री उंपेंद्र कुमार यादव के

## नए आपराधिक कानूनों पर आयोजित होगी राज्य स्तरीय प्रदर्शनी, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह सोमवार को करेंगे उद्घाटन



मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल पर नए आपराधिक कानूनों के प्रावधानों एवं प्रदेश में इनकी प्रगति को दर्शाने वाली विभिन्न

गतिविधियों की तैयारियों का विस्तृत अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने सभा स्थल पर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को बैठक, पेयजल, पार्किंग सहित अन्य जरूरी सुविधाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य सचिव श्री सुधांशु पंत, पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि देश में 1 जुलाई 2024 से लागू हुए

भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जेईसीसी, सीतापुरा में छह दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में श्री शाह के साथ ही मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिवक्ती, राजस्थान उच्च न्यायालय श्री संजीव प्रकाश शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

### कांग्रेस को लोकतंत्र पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं — मदन राठौड़

**जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़** ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी का इतिहास लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं के दमन से भरा हो, उसे आज फ्लकएक्ट या पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। राठौड़ ने डोटासरा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि

हृद्देश में 50 से ज्यादा सरकारें गिराने वाली कांग्रेस, संवैधानिक संस्थाओं को बंधक बनाने वाली कांग्रेस और तुष्टिकरण की राजनीति के जरिए समाज को बाँटने वाली कांग्रेस के नेता जब पारदर्शिता की बात करते हैं, तो यह ढोंग और दोहरा चरित्र ही नजर आता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि इतिहास से कांग्रेस की भूमिका को कोई नहीं भूल सकता। इंदिरा गांधी द्वारा चुनाव जीतने के लिए सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग को अदालत ने भी माना था। डोटासरा शायद यह भी भूल गए हैं कि इंदिरा गांधी ने अपने ही पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हराने के लिए विपक्षी उम्मीदवार को समर्थन दिया था। कांग्रेस का इतिहास आपातकाल, संसershिप और लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन से भरा हुआ है। फिर कौनसी शुचिता की बात करती है कांग्रेस।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने स्पष्ट किया कि फ्लकको वास्तव में मजबूत करने का काम भाजपा सरकार ने किया है, जहाँ अब ई-गवर्नेंस, डिजिटल एफआईआर और समयबद्ध जवाबदेही को कानून का हिस्सा बनाया गया है। कांग्रेस सिर्फ भ्रम फैलाने और झूठ की राजनीति में माहिर है। डोटासरा ने पहले भी कृषि बिलों, महिला आरक्षण, और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर जनता को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन हर बार सत्य सामने आया और कांग्रेस का चेहरा बेनकाब हुआ। जनता अब कांग्रेस के इन बयानवीर नेताओं के झंसे में आने वाली नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति राष्ट्रवाद, सुशासन और पारदर्शिता पर आधारित है। जबकि कांग्रेस अब भी धोखे, भ्रम और सत्ता की भूख के पुराने ढर्रे पर चल रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने डोटासरा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि "डोटासरा जी कहते हैं कि मदन जी की बात का क्या जवाब दूँ, तो मैं कहता हूँ कि उनके पास जवाब है ही नहीं, क्योंकि मैंने जो कहा वह तथ्य और सच्चाई पर आधारित है।" राठौड़ ने कहा कि अशोक गहलोट प्रचार के लिए पहले गुजरात गए, कांग्रेस वहां हार गई। फिर महाराष्ट्र गए, वहां भी कांग्रेस की करारी हार हुई और अब वे बिहार जा रहे हैं, जहां कांग्रेस की हार तय है। यह स्पष्ट संकेत है कि जहां-जहां गहलोट जाते हैं, वहां से कांग्रेस साफ हों जाती है। संयोजक, भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग

### निर्वाचक अधिकार का प्रयोग करने के लिए उत्प्रेरित करने के उद्देश्य से नकद या वस्तु रूप में कोई परितोषण देता है या लेता है तो होगी कार्रवाई

**सीवन संवाददाता मसरूर अहमद**

**सिवान-12 अक्टूबर2025 को भारतीय दंड संहिता** की धारा 171 (ख) के अनुसार, जो कोई व्यक्ति निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी व्यक्ति को उसके निर्वाचक अधिकार का प्रयोग करने के लिए उत्प्रेरित करने के उद्देश्य से नकद या वस्तु रूप में कोई परितोषण देता है या लेता है तो एक वर्ष तक के कारावास या जुर्माने या दोनों से दण्डनीय होने की के लिए आम सूचना जारी किया गया है। साथ ही सभी नागरिकों से अनुरोध किया गया है, कि वे किसी प्रकार की रिश्तव लेने से परहेज करें और यदि कोई व्यक्ति किसी रिश्तव की पेशकश करता है या उसे रिश्तव और निर्वाचकों को डराने / धमकाने के मामले की जानकारी सी-विजिल अथवा दूरभाष पर दें\*

**बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025**

इसके अतिरिक्त, भारतीय दंड \*संहिता की धारा 171 (ग) के अनुसार जो कोई व्यक्ति किसी अभ्यर्थी या निर्वाचक या किसी अन्य व्यक्ति को किसी प्रकार की चोट पहुंचाने की धमकी देता है, वह एक वर्ष तक के कारावास या जुर्माने या दोनों से दण्डनीय होगा ।

### रोटी बैंक ने फिर बढ़ाए मदद के हाथ सिख समाज की दो गरीब बेटियों की शादी मे दी 11000 रुपए की आर्थिक मदद

**देश का दर्पण दैनिक न्यूज खैरथल संवाददाता अमित शर्मा**

**खैरथल** **खैरथल** में पिछले 6 वर्ष से संचालित संस्था रोटी बैंक द्वारा निरंतर गरीब बेटियों की शादी हेतु मदद की परंपरा निभाते हुए शनिवार को सिख समाज की दो गरीब बेटियों की शादी हेतु सभी दानदाताओं के सहयोग से 11000 रूपए की आर्थिक मदद भेंट की। रोटी बैंक संस्था के संस्थापक रवि दासवानी व विक्की चौधरी ने बताया की खैरथल की सुभाष नगर कॉलोनी वार्ड नं 20 में रहने वाले



एक गरीब सिख समाज की दो

गरीब बेटियों की शादी हेतु ये

सहयोग दिया गया है उन्होंने बताया

**नौका अभियान का ख़ुसरूपुर से प्रस्थान**  
**संवाददाता मसरूर अहमद**  
**बिहार के पटना में आज**  
**दिनांक:- 12अक्टूबर 2025 को**  
**एन. सी. सी. निदेशालय** बिहार एवं झारखण्ड, पटना के निर्देशन में 01 बिहार नेवल यूनिट एन.सी.सी. पटना के द्वारा नौका अभियान का ख़ुसरूपुर से बाढ़ के लिए प्रस्थान किया क ज्ञात है कि नौका अभियान पटना से शुरू होकर क्रमशः खुशरूपुर, बाढ़, सिमरिया, मटिहानी, मुंगेर, सुल्तानगंज होते हुए भागलपुर के बरारी घाट तक जाएगी क इस नौका अभियान का नेतृत्व समादेशी पदाधिकारी वन बिहार नेवल यूनिट पटना के कमांडर सन्नी कुमार गुप्ता कर रहे है। आज खुसरूपुर बैंकटपुर के गंगा किनारे घाट पर सफाई एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें बिहार झारखंड के नेवल कैडेट ने भाग लिया इस स्वच्छता अभियान का नेतृत्व समादेशी पदाधिकारी ने किया। स्वच्छता अभियान के उपरांत नौका अभियान को नेवल एन सी सी के समादेशी पदाधिकारी कमांडर सन्नी कुमार गुप्ता ने झंडा दिखा कर किया। इन कैडेटों का अमाल पड़ाव बाढ़ है।

ये कैडेट भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देंगे और पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व पर प्रकाश डालने के साथ-साथ सामुदायिक जुड़ाव के लिए स्थानीय समूहों के साथ जुड़ेंगे तथा स्वच्छ भारत अभियान में योगदान देने के साथ-साथ नुक़ड़ नाटकों के माध्यम से जनता को सामाजिक समरसता और सौहार्द का सन्देश देते हुए आगे की और बढ़ रहे हैक इस अभियान में भारतीय नौसेना के 08 नेतृत्व कुशल पी.आई. (ढक) स्टाफ के साथ-साथ 11 राज्य कर्मचारी एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी सहित कुल- 05 सहयोगी स्टाफ है। इस अवसर पर 1 बिहार नेवल यूनिट के समादेशी पदाधिकारी कमांडर सन्नी कुमार गुप्ता ने सभी कैडेट्स का उत्साह वर्धन करते हुए बताया कि इस अभियान के नौका दल में बिहार एवं झारखण्ड निदेशालय के 70 कैडेट्स (बिहार एवं झारखण्ड से 35-35 कैडेट्स ) सम्मिलित हो रहे है, जिन्हें 01 बिहार नेवल यूनिट एन.सी.सी पटना द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है ।

इस अभियान में भारतीय नौसेना के 08 नेतृत्व कुशल पी.आई. (ढक) स्टाफ के साथ-साथ 11 राज्य कर्मचारी एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी सहित कुल- 05 सहयोगी स्टाफ है।

इस अवसर पर 1 बिहार नेवल यूनिट के समादेशी पदाधिकारी कमांडर सन्नी कुमार गुप्ता ने सभी कैडेट्स का उत्साह वर्धन करते हुए बताया कि इस अभियान के नौका दल में बिहार एवं झारखण्ड निदेशालय के 70 कैडेट्स (बिहार एवं झारखण्ड से 35-35 कैडेट्स ) सम्मिलित हो रहे है, जिन्हें 01 बिहार नेवल यूनिट एन.सी.सी पटना द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है ।

### खैरथल शहर में चल रहे जिला बचाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान में रविवार सायं 6:00 बजे शहीद भगत सिंह चौक किशनगढ़ रोड बिजली घर के पास से लक्ष्मी नारायण मंदिर पुरानी अनाज मंडी तक मशाल जुलूस निकाला

**देश का दर्पण दैनिक न्यूज खैरथल संवाददाता खैरथल अमित शर्मा**  
**खैरथल** **खैरथल** शहर में जिला बचाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान में 12 अक्टूबर रविवार सायं 6:00 बजे शहीद भगत सिंह चौक किशनगढ़ रोड बिजली घर के पास से श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर पुरानी अनाज मंडी तक विशाल मशाल जुलूस निकाला गया मशाल जुलूस मुख्यतः हेमू कल्याणी चौक रेलवे फाटक। तिरंगा बाजार में बाजार होते हुए विशाल मशाल जुलूस निकाला गया मशाल जुलूस का समापन लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंच कर किया गया विशाल मशाल जुलूस में सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे वहीं महिलाएं भी मशाल जुलूस में पीछे नहीं रही उन्होंने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया। मशाल जुलूस मे किशनगढ़ बास विधायक दीपचंद खेरिया ओमप्रकाश रोधा। सर्वेश गुप्ता विक्की चौधरी पंकज रोधा गिरीश डाटा एवं जिला बचाओ संघर्ष समिति के लोग मौजूद रहे

### सीएम भजन लाल शर्मा गृह जिले में 18 को आर्यंगे

(कलेक्टर . एसपी .ने हेलीपेड का किया निरीक्षण )

**देश का दर्पण.दैनिक अखबार पत्रकार. राकेश कोठेनिया हलेना भरतपुर....मुख्यमंत्री** भजनलाल शर्मा के 18 अक्टूबर के प्रस्तावित दौरे को जिला कलक्टर कमर चौधरी और एसपी दिगंत आनंद ने नदबई पहुंचकर सभा स्थल, हेलीपेड और पार्किंग क्षेत्र का निरीक्षण किया। कृषि उपज मंडी प्रांगण में व्यवस्थाओं की रूपरेखा देखी और अधिकारियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए । हेलीपेड स्थल पर अग्निशमन, एम्बुलेंस और अन्य सुरक्षा एवं आपात सेवाओं की तैनाती पर भी चर्चा हुई।

### सीएम के गांव अटारी में भ्रष्टाचार की बानगी .पशु सेवा उपकेंद्र इमारत जर्जर



**भरतपुर.... मुख्यमंत्री** भजनलाल शर्मा के पैतृक गांव अटारी में भ्रष्टाचार की पोल खोलने वाला मामला सामने आया है। यहां 2022 में कांग्रेस शासनकाल के दौरान 12 लाख रुपए की लागत से निर्मित पशु सेवा उपकेंद्र की इमारत मात्र दो साल में जर्जर हो गई है। पशु सेवा केंद्र की छत से आए दिन सीमेंट और बजरी झड़ रही है, जिससे मेडिकल स्टाफ और पशुपालकों को जान का खतरा बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य में भारी अनियमितताएं और घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत से बजट का दुरुपयोग किया गया, जिसके चलते इमारत अब खंडहर में तब्दील होती जा रही है। बावजूद इसके विभागीय अधिकारी मौके का निरीक्षण करने तक नहीं पहुंचे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि सरकार मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करे, ताकि भविष्य में इस तरह की भ्रष्टाचारपूर्ण लापरवाहियों पर लगाम लग सके।



## श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत के अवसर पर आयोजित होने वाले नगर कीर्तन/कार्यक्रमों की अग्रिम व्यवस्था हेतु मंत्रिसमूह ने जिला प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की।

**फरीदकोट, 12 अक्टूबर : ( सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा )** पंजाब सरकार द्वारा निकाले जाने वाले नगर कीर्तन और विभिन्न धार्मिक आयोजनों की व्यवस्थाओं के संबंध में उपायुक्त कार्यालय के अशोक चक्र सभाकक्ष में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर नगर कीर्तन, प्रकाश एवं ध्वनि। हरजोत सिंह बैस, श्री हरभजन सिंह ईटीओ, श्री तरनप्रीत सिंह सौंद, श्री दीपक बाली सलाहकार पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर फरीदकोट के विधायक श्री गुरिंद सिंह सेखों, जैतों के विधायक श्री अमोलक सिंह, एडवोकेट बिरिंदर सिंह संधवा, उपायुक्त श्रीमती पूनमदीप कौर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रज्ञा जैन, श्री सजीव तिवारी निदेशक पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले विशेष रूप से उपस्थित रहे। शहीदी दिवस समारोह की जानकारी



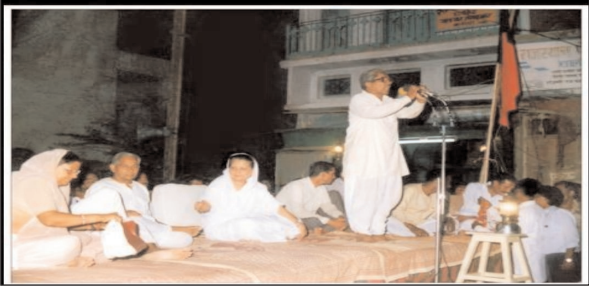
देते हुए शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं भाषाएं, तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री, पंजाब श्री हरजोत सिंह ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य स्तर पर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को मनाया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों से नगर कीर्तन निकाले जाएंगे। यह कार्यक्रम भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जैसे शहीदों को भी समर्पित होगा। उन्होंने बताया कि 18 नवंबर को गुरुद्वारा छठी पातशाही श्रीनगर में एक कार्यक्रम

होगा जिसमें पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान, श्री अरविंद केजरीवाल और देश भर के संत शामिल होंगे। 19 नवंबर को गुरुद्वारा छठी पातशाही श्रीनगर से एक नगर कीर्तन निकाला जाएगा जो विभिन्न स्थानों से होते हुए श्री आनंदपुर साहिब पहुँचेगा। इसी प्रकार, बाबा फरीद जी की पावन धरती वरसोई, फरीदकोट शहर से एक नगर कीर्तन शुरू होगा जो फिरोजपुर, मोगा, जगराओं, लुधियाना और अन्य विभिन्न मार्गों से होते हुए श्री आनंदपुर साहिब पहुँचेगा। इसी प्रकार, तीसरा नगर कीर्तन

तख्त श्री दमदमा साहिब तलवंडी साबो से और चौथा नगर कीर्तन गुरदासपुर से शुरू होकर आनंदपुर साहिब पहुँचेगा। उन्होंने बताया कि चारों नगर कीर्तन पंजाब के अधिकांश हिस्सों में जाएंगे। कैबिनेट मंत्री स. हरजोत सिंह बैस ने कहा कि पंजाब सरकार श्री गुरु तेग बहादुर जी, भाई मती दास, भाई सती दास, भाई दयाला जी आदि शहीदों के अद्वितीय बलिदान की दशानों के लिए फरीदकोट में लाइट एंड साउंड कार्यक्रम आयोजित करेगी और पंजाब के सभी जिलों में भी लाइट एंड साउंड शो आयोजित किए जाएंगे, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आयोजनों की तैयारियां कर्तव्य की भावना के साथ पूरी की जाएं और साथ ही इन कार्यों में सेवा और धार्मिक नैतिकता का भी ध्यान रखा जाए। बैठक को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री स. हरभजन सिंह ईटीओ, कैबिनेट मंत्री श्री तरनप्रीत सिंह सौंद, श्री दीपक बाली अद्वैत

ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत अद्वितीय है, जिसकी मिसाल दुनिया में नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब ने स्वयं बलिदान देकर विश्व बंधुत्व और मानव अधिकारों को कायम रखा, जबकि उनके पुत्र श्री गुरु गोबिंद सिंह, उनकी धर्मपत्नी माता गुज्जर कौर और उनके चार पोतों ने भी देश और कौम के लिए बलिदान दिया, जिसे याद रखना और आने वाली पीढ़ी को याद दिलाना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार राज्य स्तर पर श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत का जश्न मना रही है। उन्होंने कहा कि लोगों से भी अपील है कि वे धर्म और जाति को पीछे छोड़कर गुरु साहिबान जी की शहादत को समर्पित नगर कीर्तन/कार्यक्रमों में शामिल हों और आशीर्वाद लें। इससे पहले, कैबिनेट मंत्री श्री हरजोत सिंह बैस और हरभजन सिंह ईटीओ को भी फरीदकोट पहुँचने पर पुलिस की एक टुकड़ी द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

## राजमाता सिंधिया के जीवन से सेवा, समर्पण और संगठन की प्रेरणा मिलती है:- बांढिया



बालोतरा।(लकी रांकावत)/ भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य गणपत बांढिया एवं श्री चंपालाल बांढिया चैरिटेबल ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने राज माता विजयाराजे सिंधिया की जयंति पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हे याद किया गया।

भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं श्री चंपालाल बांढिया चैरीटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष गणपत बांढिया ने राजमाता विजयराजे सिंधिया की प्रतिमा के समक्ष गुण्य अर्पित करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन आमजन की सेवा और देश सेवा में व्यतीत हुआ है जो आज भी प्रेरणास्त्रोत है।भाजपा की संस्थापक सदस्य, आठ बार सांसद तथा राजमाता संगठन और देशप्रेम की

विचार धारा के साथ राजनीति एवं अडिग रहते हुए भाजपा की नींव को मजबूत किया।उन्होंने कहा कि राजमाता सिंधिया ने केवल भारतीय राजनीति में एक प्रखर और आदर्श व्यक्तित्व रहीं, बल्कि उन्होंने महिलाओं में राजनीतिक चेतना जगाने का भी ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में

भी संगठन और विचारधारा के प्रति अडिग रहते हुए भाजपा की नींव को मजबूत किया।उन्होंने कहा कि राजमाता के विचार और जीवन दर्शन हमें सदैव समाज के प्रति निष्ठा, सेवा और समर्पण का भाव बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं।

बांढिया ने बताया कि तत्कालीन पूर्व विधायक पूज्य पिताजी

स्व.चंपालाल बांढिया के साथ क्षेत्र में अकाल एवं बाढग्रस्त इलाकों में पीड़ितों की सेवार्थ कुशलता के साथ कार्य करते थे। राजमाता अपने बाइमेर दौरे के दौरान तीन दिवस तक पूर्व विधायक स्व.चंपालाल बांढिया के निवास स्थान पर रूकीं एवं प्रतिदिन सुबह होते हीं अकाल पीड़ितों का दुख दर्द बांटने निकल पड़ते थे।

राजमाता का मानना था कि कार्यकर्ता आम हो या खास उसको स्वयं आमजन तक पहुँचकर उनके सुख दुख में भागीदार बना पड़ता है, इस दौरान राजमाता स्व.चंपालाल बांढिया के सान्दी भरे जीवन और आमजन के साथ सीधे संवाद एवं कार्यकुशलता की प्रशंसा भी की थी।

## सिवान जिले में जीविका द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान बड़े स्तर पर चलाया जा रहा है।



भी है।

आज कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक संकल्प के साथ की गई, जिसमें सभी दीदियों ने शत-प्रतिशत मतदान का प्रण लिया। बैठक के दौरान मतदान से जुड़ी जानकारी दी गई, जिसमें मतदान की प्रक्रिया, पहचान पत्र का महत्व, मतदान केंद्र पर पालन किए जाने वाले नियम आदि पर विस्तार से चर्चा की गई।

जीविका दीदियों को यह भी बताया गया कि लोकतंत्र में हर वोट की कीमत होती है और सही ज़म्मेदार का चयन ही राज्य और समाज की दिशा तय करता है। कार्यक्रम के बाद मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें दीदियों ने हूपलहे मतदान, फिर जलपानहू, हूहर घर की यही पुकार, वोट करें अबकी बारहू जैसे नारे लगाकर लोगों को प्रेरित किया। रैली के साथ-साथ रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ, जिसमें मतदान थीम पर सुंदर रंगोली बनाई गई। कई दीदियों ने अपने हाथों पर मेहंदी लगाकर हूवोट फॉर बिहारहू, हूहमारा वोट हमारा अधिकारहू जैसे संदेश लिखे और दूसरों को मतदान के लिए प्रेरित किया।

आज विशेष मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सेकड़ों जीविका दीदियां शामिल हुईं। दीदियों ने गांवों में घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान की अपील की और समझाया कि एक वोट बदलाव ला सकता है। उन्होंने महिलाओं से खास तौर पर आग्रह किया कि वे घर के कार्यों में व्यस्त रहने के बावजूद मतदान के दिन मतदान करने अवश्य जाएं। इस अवसर पर ग्राम संगठन की सदस्यों ने कहा कि जीविका के माध्यम से महिलाओं में अब जागरूकता की एक नई लहर आई है। पहले महिलाएं मतदान को लेकर उदासीन रहती थीं, परंतु अब वे स्वयं ही आगे बढ़कर दूसरों को मतदान के लिए प्रेरित कर रही हैं।

### बांढिया ने दिल्ली में तंबाकू-मुक्त युवा अभियान 3.0 में की सहभागिता



कार्यक्रम में शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को तंबाकू एवं नशे की आदतों से दूर रखना

आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्कूल-कॉलेज स्तर पर जागरूकता अभियान, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य दुष्प्रभावों, कैंसर एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों को रोकथाम संबंधी जानकारी भी साझा की।

बांढिया ने कहा कि युवा पीढ़ी को तंबाकू जैसी घातक लत से दूर रखने हेतु चलाया जा रहा यह अभियान समाज में स्वस्थ जीवनशैली को सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्कूल-कॉलेज स्तर पर जागरूकता अभियान, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य दुष्प्रभावों, कैंसर एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों को रोकथाम संबंधी जानकारी भी साझा की। बांढिया ने कहा कि युवा पीढ़ी को तंबाकू जैसी घातक लत से दूर रखने हेतु चलाया जा रहा यह अभियान समाज में स्वस्थ

जीवनशैली और जागरूकता के प्रसार का एक सराहनीय प्रयास है। उसके बाद बांढिया ने अनुभव भवन में समाजसेवी सचिन खारी ने मुलाकात कर सामाजिक चर्चा करने के साथ श्री चम्पालाल बांढिया चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कार्यों के बारे में जानकारी दी इस दौरान खारी ने बांढिया का बहुमान कर स्वागत किया।उसके बाद समाज सेवी राकेश कुमार गुर्जर के निवास स्थान पर जाकर सोहार्दपूर्ण मुलाकात कर संगठन एवं समाजहित के विषयों पर सार्थक चर्चा की।

जीवनशैली और जागरूकता के प्रसार का एक सराहनीय प्रयास है। उसके बाद बांढिया ने अनुभव भवन में समाजसेवी सचिन खारी ने मुलाकात कर सामाजिक चर्चा करने के साथ श्री चम्पालाल बांढिया चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कार्यों के बारे में जानकारी दी इस दौरान खारी ने बांढिया का बहुमान कर स्वागत किया।उसके बाद समाज सेवी राकेश कुमार गुर्जर के निवास स्थान पर जाकर सोहार्दपूर्ण मुलाकात कर संगठन एवं समाजहित के विषयों पर सार्थक चर्चा की।

योजनाहूहू तथा बीपीएल श्रेणी के परिवारों को रसोई गैस सिलेण्डर सब्सिडी योजना में 450 रुपये मात्र में एलपीजी सिलेण्डर उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना का दायरा बढ़ाते हुए प्रेश में अन्य पात्र परिवारों को भी लाभान्वित करने के लिए ह्दमुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजनाहूहू लागू की गई। इसके तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में चिन्हित शेष 67.97 लाख परिवारों को भी 450 रुपये में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है। सितम्बर, 2024 से अब तक 558

करोड़ रुपये सब्सिडी राशि का भुगतान किया जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा संचालित श्री अन्नपूर्णा रसोइयों में मोटा अनाज (बाजरा, ज्वार व अन्य मिलेट्स) को भोजन में शामिल किया गया। भोजन थाली का वजन 450 ग्राम से बढ़ाकर 600 ग्राम किया गया है। राजकीय अनुदान राशि 17 रुपये से बढ़ाकर 22 रुपये प्रति थाली किया गया है। श्री अन्नपूर्णा रसोई (ग्रामीण) में अब तक 4.30 करोड़ और श्री अन्नपूर्णा रसोई (शहरी) में 8.87 करोड़ भोजन थाली परोसी गई हैं।

#### राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी सादर प्रकाशनार्थ

**जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटारसा तथा नेता प्रतिपक्ष श्री टीकाराम जूली द्वारा आरटीआई एक्ट लागू होने के 20 वर्ष पूर्ण होने पर जारी वक्तव्य :-**



डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार और श्रीमती सोनिया गांधी के दूरदर्शी नेतृत्व में 12 अक्टूबर 2005 को ऐतिहासिक सूचना का अधिकार (फ़क्क) अधिनियम अस्तित्व मेंआया। यह यूपीए सरकार के अधिकार-आधारित एजेंडा की पहली कड़ी थी, जिसमें मनरेगा (2005), वन अधिकार अधिनियम (2006), शिक्षा का अधिकार (2009), भूमि अधिग्रहण मेंउचित मुआवजा का अधिकार अधिनियम (2013) और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (2013) शामिल थे।

इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सार्वजनिक प्राधिकरणों के पास मौजूद जानकारी तक पहुँच प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना था, ताकि शासन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बन सके। आरटीआई समाज के सबसे हाशिए पर बसे लोगों के लिए जीवन रेखा साबित हुई है- इसने नागरिकों को उनके हक जैसे राशन, समय पर पेंशन, बकाया मजदूरी और छात्रवृत्तियाँ दिलाने में मदद की है। इसने सुनिश्चित किया कि सबसे गरीब व्यक्ति को जीवन की बुनियादी जरूरतों सेवंचित न किया जाए।

#### पुलिस आयुक्तालय जोधपुर में अपराध और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने एवं महिलाओं की सुरक्षा हेतु पेट्रोलिंग यूनिट तथा एंटी रोमियो गश्त एवं रूट मार्च निकाला गया

**लोकेशन जोधपुर राजस्थान रिपोर्टर अभिषेक सैन**

**आगामी त्यौहारों के** मद्देनजर श्री ओम मुख्यालय पुलिस आयुक्त जोधपुर के निदेशानुसार, पुलिस आयुक्तालय जोधपुर में अपराध और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने एवं महिलाओं की सुरक्षा हेतु दिनांक 11.10.2025 को कालिका पेट्रोलिंग यूनिट तथा एंटी रोमियो स्कॉड (आर्ट) 1090 द्वारा सार्यकालीन गश्त एवं रूट मार्च निकाला गया।



पुलिस आयुक्तालय जोधपुर में श्री विनीत कुमार बंसल पुलिस उपायुक्त जिला जोधपुर पश्चिम, श्री शाहीन सी. पुलिस उपायुक्त जिला पूर्व / मुख्यालय एवं यातायात के सुपरविजन एवं श्री सुनील के. पंवार अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त महिला अपराध अनुसंधान सेल जोधपुर पश्चिम व श्रीमती छवी शर्मा सहायक पुलिस आयुक्त वृत पश्चिम के नेतृत्व में दीपावली व त्यौहारों की सीजन में महिलाओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए कालिका पेट्रोलिंग यूनिट तथा एंटी रोमियो स्कॉड (आर्ट) 1090 द्वारा रूट मार्च निकाला गया। श्रीमान पुलिस आयुक्त महोदय के निदेशों की पालना में श्री सुनील के. पंवार अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त महिला अपराध अनुसंधान सेल जोधपुर पश्चिम तथा श्रीमती छवी शर्मा सहायक पुलिस आयुक्त वृत पश्चिम द्वारा इस अभियान के संबंध में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट तथा एंटी रोमियो स्कॉड (आर्ट) 1090 तथा वृत पश्चिम की 04 मोबाइल पुलिस वाहनों को ब्रीफ कर रवाना किया गया। पुलिस आयुक्तालय में सार्यकालीन 7:30 ढट पर कालिका पेट्रोलिंग यूनिट जिला पूर्व व पश्चिम की 12 यूनिट, एंटी रोमियो स्कॉड (आर्ट) 1090 पश्चिम 03 यूनिट तथा वृत पश्चिम की 04 मोबाइल पुलिस वाहनों का रूट मार्च जालोरी गेट चौराहा से शुरू होकर गोल बिल्डिंग, सरदारपुरा बाजार ए. बी, सी रोड से पुनः जलजोग चौराहा बारहवीं रोड चौराहा, बॉम्बे मोटर्स चौराहा, शनिचर जी का थान, वापिस जालोरी गेट, रेलवे स्टेशन, दूध मंदिर, सोजती गेट, नई सड़क, घंटाघर से लेफ्ट टर्न, त्रिपोलिया बाजार होते हुए वापिस सोजती गेट से राज रणछोड़ जी मंदिर होकर, जालोरी गेट चौराहा पहुँच कर रूट मार्च का समापन किया गया। आमजन से आग्रह है कि आपके आस-पास क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गैरकानूनी, अनैतिक, अवैध शराब/मादक पदार्थ बिक्री व संधिध व्यक्ति आदि की जानकारी होने पर इसकी सूचना तुरंत संबंधित पुलिस थाना या पुलिस नियंत्रण कक्ष 100/112 व व्हाट्सएप नंबर 9530440800 पर सूचित करें।

### मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अंत्योदय का संकल्प हो रहा साकार

**जयपुर। मुख्यमंत्री श्री** भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिला, युवा, मजदूर और किसान के कल्याण की दिशा में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों से अंत्योदय का सपना तेजी से साकार हो रहा है। शिक्षा से लेकर चिकित्सा जैसे अहम क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और सुविधाओं की उपलब्धता ने गांव-ढाणी और कस्बों में अंतिम पायदान के व्यक्ति तक बड़ी राहत पहुंचाने का कार्य किया है।

श्री शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश ह्यनिरामय राजस्थानहू के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसमें

मुख्यमंत्री आभुषान आरोग्य योजना अहम भूमिका निभा रही है और जरूरतमंद व वंचित वर्ग तक उपचार सुनिश्चित कर रही है। योजना के अन्तर्गत कैसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए 73 डे केयर पैकेजेज, शिशुओं के उपचार हेतु 419 पेंडिंट्रिक्स पैकेज और 8 लाख वरिष्ठ नागरिकों के लिए कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा हैं। साथ ही, मा वाउचर योजना में 25 हजार गर्भवती महिलाओं को प्रतिमाह 1 हजार 363 अधिकृत निजी सोनोग्राफी केन्द्रों के माध्यम से



नि:शुल्क सेवाएं दी जा रही हैं। इसके तहत 2 लाख 48 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं को व्यू आर कोड जनित कूपन जारी किये

#### विश्व दृष्टि दिवस के अंतर्गत सिविल अस्पताल अबोहर में जागरूकता अभियान चलाया गया

**अबोहर : ( सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा )** सिविल सर्जन डॉ. रोहित गोयल के मार्गदर्शन में, सहायक सिविल सर्जन डॉ.



अर्पित गुप्ता एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कंबोज के नेतृत्व में तथा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. लवली कंसल की देखरेख में, विश्व दृष्टि दिवस के अंतर्गत सिविल अस्पताल अबोहर में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए डॉ. लवली कंसल ने बताया कि विश्व दृष्टि दिवस आँखों के महत्व और उनकी देखभाल के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मनाया जाता है। इस बार यह दिवस "अपनी आँखों से प्यार करें" थीम के साथ मनाया जा रहा है। आँखों की देखभाल के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में बच्चों का स्क्रीन टाइम बहुत बढ़ गया है और डिजिटल मीडिया के इस्तेमाल से आँखों पर दबाव बढ़ रहा है। इसलिए हमें हर 20 मिनट में 20 सेकंड का ब्रेक लेना चाहिए और इस दौरान आँखों की एक्सरसाइज के लिए किसी भी चीज को 20 फीट की दूरी से देखना चाहिए, यह आँखों पर पड़ने वाले अनावह दबाव और दर्द को रोकने का एक महत्वपूर्ण नियम है। उन्होंने आँखों की देखभाल के बारे में बताया कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम नियमित रूप से किसी पेशेवर से अपनी आँखों की जांच करवाएं। अपनी आँखों को यूवी किरणों से बचाएं, लगातार स्क्रीन पर न देखें, स्क्रीन पर काम करते समय सही दूरी और स्तर बनाए रखें, संतुलित आहार लें। डिप्टी मास मीडिया अधिकारी मनबीर सिंह ने कहा कि बच्चों को खेलों और शारीरिक गतिविधियों के प्रति प्रेरित करना चाहिए ताकि उनका स्क्रीन टाइम नियंत्रित हो सके। इस अवसर पर जिला मास मीडिया अधिकारी विनोद खुराना, स्वास्थ्य कर्मचारी, नर्सिंग छात्र और लोग मौजूद थे।

#### प्रकृति की पुकार थीम पर गॉडशिप एकेडमी का 11वां वार्षिकोत्सव सम्पन्न

**जयपुर: राजस्थान की**



राजधानी जयपुर के हृदय स्थल बनीपाक स्थित गॉडशिप एके-डमी का 11वां वार्षिकोत्सव ह्यप्रकृति की पुकारहू थीम पर रिविवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने भाग लेकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रिंसिपल डायरेक्टर संगीता भवाल एवं आगंतुक अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात छात्राओं ने गायत्री मंत्र पर आधारित क्लासिकल नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे एल. एन. सोनी, आईएएस (सेवा निवृत्त सांभागीय आयुक्त, कोटा) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में रेखा राठौड़ (डिस्ट्रिक्ट जज) ने बच्चों के प्रस्तुतीकरण की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया।

है अपने उद्घोषण में प्रिंसिपल डायरेक्टर संगीता भवाल ने कहा – ह्यूगॉडशिप एकेडमी में शिक्षा केवल पुस्तकों या परीक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चरित्र, करुणा और सुजनशीलता का विकास है। हमारा उद्देश्य ऐसे बच्चों का निर्माण करना है जो उत्तरदायी, आत्मनुशासित और भावनात्मक रूप से मजबूत नागरिक बनें।

#### जयपुर के रैंप पर दिखा आपणो राजस्थान का रंग, गांव और कस्बों के टैलेंट ने किया रोमांचित

**जयपुर: ब्यूटी पेजेंट** एलीट



मिस राजस्थान के सीजन-12 (2025) का पहले ऑडिशन का आयोजन रविवार को किया गया। अजमेर रोड स्थित ग्रैंड अंनुकंपा के प्रतिष्ठा बैंक्वेट में ऑडिशन रखा गया। यहां प्रदेशभर से आई मॉडल्स ने अपने अंदाज, स्टाइल और इटेलिजेंस से जजेज को भर्भाषित किया। इस ऑडिशन में राजस्थान के झुंझुनू, चूक, नीमराणा जैसे छोटे से छोटे शहरों की भी गर्ल्स ने हिस्सा लिया। कुछ मॉडल्स गांव-गाणियों से ताल्लुक रखती हैं। एलीट मिस राजस्थान के फाउंडर-डायरेक्टर गौरव गौड़ ने बताया- इस बार एलीट मिस राजस्थान का 12वां सीजन पहले से भी ज्यादा बड़ा रखा गया है। हमारा उद्देश्य राजस्थान की प्रतिभाओं को एक ऐसा मंच देना है, जहां वे बिना किसी शुल्क या बाध्यता के अपने सपनों को साकार कर सकें। ऑडिशन पूरी तरह निशुल्क रखे गए हैं। ताकि हर युवा प्रतिभा को अपनी क्षमताओं को दिखाने का समान अवसर मिल सके।

#### दस साल से काट रहे थे फरारी 78 लाख रुपये सुरज वर्मा

**शाहपुरा शहर** की फुलिया खुर्द



का मामला जहां राशि के गबन के मामले में एक दशक से फरार चल रहे तत्कालीन ग्राम सेवक एवं सरपंच को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश में गठित विशेष टीम द्वारा की गई। आरोपी दस वर्ष से फरार थे तथा पुलिस को 5 हजार का इनाम भी घोषित किया गया है। पूर्व सरपंच गणपत खटीक का पारिवारिक सदस्य वर्तमान में ढीकोला में सरपंच हैं तथा वो भाजपा से जुड़े हैं। मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शाहपुरा पंचायत समिति की फुलियाखुर्द पंचायत के तत्कालीन ग्राम सेवक एवं पदेन सचिव श्यामलाल जाट पुत्र छीतरमल जाट निवासी जाटों का मोहल्ला माण्डल तथा तत्कालीन सरपंच गणपतलाल खटीक पुत्र मागीलाल खटीक निवासी कल्याणपुर ढिकोला शामिल हैं। रथु जाट पर पुलिस ने 5 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। दोनों आरोपियों को पुलिस ने क्रमशः कोटडी और ढिकोला क्षेत्र से गिरफ्तार किया। एएसपी राजेश आर्य ने बताया कि

यह प्रकरण वर्ष 2016 का है, जब तत्कालीन शाहपुरा के पंचायत प्रसार अधिकारी की रिपोर्ट पर ग्राम पंचायत फुलिया खुर्द के रिकॉर्ड की जांच के लिए एक कमेटी गठित की गई थी। जांच के दौरान यह पाया गया कि वर्ष 2010 से 2015 तक का रिकॉर्ड अधूरा था तथा इस अवधि में ग्राम पंचायत के विभिन्न खातों में कुल २83,98,700 जमा हुए थे, जिनमें से २७8,60,973 की राशि निकली गई, परंतु उसका कोई लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं था। नये पंचायत चुनाव के बाद हुई शिकायत पर की जांच में तत्कालीन सरपंच गणपतलाल खटीक और ग्राम सेवक श्यामलाल जाट पर सरकारी धन के गबन का आरोप सिद्ध हुआ। प्रकरण संख्या 53/2016 धारा 409 भादसं के अंतर्गत शाहपुरा थाने में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई।दोनों आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार स्थान बदलते रहे। श्यामलाल जाट वर्तमान में ग्राम पंचायत बन का खेड़ा, रंघा थात। शाहपुरा थाना पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी कोटडी सक्रिल में दिखाई दिया है।



# संघ शताब्दी वर्ष के तहत मनाया गया विजयदशमी उत्सव

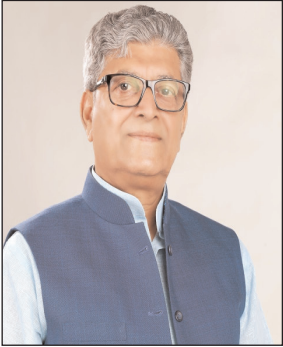
**कानपुर।** संघ शताब्दी वर्ष के अंतर्गत शनिवार को दीनदयाल नगर, नवाबगंज बस्ती में विजयादशमी उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के मुख्य मैदान में हुआ। कार्यक्रम में नगर संघचालक श्रीनारायण मंचासीन रहे, वहीं मुख्य वक्ता के रूप में अनिल, क्षेत्र प्रचारक पूर्वी उत्तर क्षेत्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने की। कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने भारतीय कृषि में जैविक खेती, प्रकृति पूजन और ग्राम विकास में संघ की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता अनिल जी ने संघ के पंच परिवर्तन संकल्प की व्याख्या करते हुए काशी की सांस्कृतिक प्रेरणा, सनातन महोत्सव महाकुंभ और भारत में समाज जागृति के विषयों पर प्रकाश डाला।



कार्यक्रम के उपरांत 272 स्वयंसेवकों ने घोष की ताल पर कदमताल करते हुए सीएसए कंपनी बाग, एचबीटीयू और नवाबगंज मार्गों से होते हुए संचलन किया। बस्ती के घरों से पुष्पवर्षा कर लोगों ने संघ के प्रति स्वीकार्यता और सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में महिलाएं वैज्ञानिक, विद्यार्थी एवं समाज बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कुल 323 गणवेशधारी स्वयंसेवक और लगभग 500 से अधिक लोगों की सहभागिता रही। इस अवसर पर केंद्रीय अधिकारी अनिल ओख, प्रान्त प्रचारक श्रीराम, सह प्रान्त प्रचारक मुनिश, प्रान्त कार्यवाह रामकेश, विभाग प्रचारक बैरिस्टर तथा विश्वविद्यालय के प्रो. सीएल मोर्य, डॉ. वीके त्रिपाठी, डॉ. कौशल कुमार सहित कई शिक्षकगण उपस्थित रहे। विचार परिवार से एबीवीपी प्रान्त संगठन मंत्री मनीष, ज्ञानेंद्र और नगर कार्यकारिणी के सदस्य भी शामिल हुए।

## प्रवर्तन दल के वायरल वीडियो पर अयोध्या विधायक ने नगर आयुक्त को दिया कार्यवाही का निर्देश

**अयोध्या।** नगर निगम अयोध्या के प्रवर्तन दल का एक वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने इसका संज्ञान लिया है। वीडियो में प्रवर्तन दल के तीन सदस्य पटरी दुकानदारों को दीवार के सहारे हाथ नीचे और पैर ऊपर करने की सजा देते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो का दृश्य देखकर लोग हैरान हैं। वीडियो में हूसीतारामह का जाप भी सुनाई दे रहा है, जिससे यह दृश्य और अधिक चर्चा में आ गया। घटना पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कड़ा रुख अपनाते हुए नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार को तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। विधायक ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं अयोध्या की मर्यादा के अनुरूप नहीं हैं। प्रवर्तन दल के सदस्यों को यह समझना चाहिए कि वह जनता की सेवा के लिए हैं, न कि भय और अपमान फैलाने के लिए। छोटे दुकानदार शहर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, उनका किसी भी प्रकार का उत्पीड़न किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। योगी राज में सभी को समान रूप से जीवनयापन का अधिकार है। किसी को अपमानित या उत्पीड़न की घटनाएं नहीं होनी चाहिए। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी ने सीमा लांघी है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई अनिवार्य है।



## औरैया पुलिस ने पकड़ी 5 लाख की अवैध आतिशबाजी, पांच आरोपी गिरफ्तार



**औरैया।** दीपावली पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना कोतवाली औरैया पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लगभग 1 क्विंटल 63 किलोग्राम अवैध पटाखे और आतिशबाजी सामग्री बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विनय कुमार, आयुष, अनुराग पोरवाल, अमन कुमार और विशाल पोरवाल उर्फ अंकित शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि ये सभी बिना लाइसेंस के बारूद और पटाखों का भंडारण कर दीपावली पर बेचने की फिराक में थे। बरामद सामग्री में लैला-मजनू पटाखे, बड़े रॉकेट, सील पैक अनार, फुलझड़ियाँ, बीडी बम और अन्य विस्फोटक आतिशबाजी सामग्री शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 5/9(ख) विस्फोटक अधिनियम के तहत मु.अ.सं. 748 से 752/2025 तक मुकदमे दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी औरैया ने टीम की सराहना करते हुए जिलेभर में अवैध पटाखा कारोबार पर कड़ी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

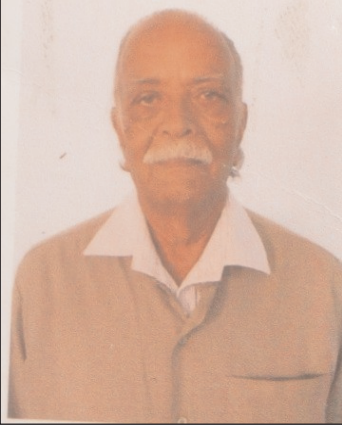
## हिस्ट्रीशीटर साजन मेहतर की हत्या मामले में एक और आरोपित गिरफ्तार



**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित जार्जटाउन थाने की पुलिस टीम ने शनिवार को हत्या मामले में फरार एक और आरोपित को सीएमपी डिग्री कालेज के समीप से गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि साजन मेहतर की हत्या मामले में गिरफ्तार एक और आरोपित जार्जटाउन थाना क्षेत्र के अल्लापुर पूरा दलेल बाघम्बरी रोड शीतल माता मंदिर के समीप निवासी गुन्नु पासी उर्फ शान्तनु भारतीय पुत्र स्वर्गीय रामजी भारतीय है। इसके खिलाफ जार्जटाउन थाने में धारा 191(2), 191 (3), 190, 115(2), 103(1), 109(1), 61(2) बी.एन.एस. के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। जार्जटाउन थाने की पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर शनिवार को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपित गुन्नु पासी उर्फ शान्तनु भारतीय के खिलाफ हत्या सहित 10 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

## आरएसएस के पूर्व विभाग संघचालक प्रो. बिशन किशोर नहीं रहे, विज्ञान भारती के संस्थापक रहे

**वाराणसी।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के काशी विभाग के पूर्व विभाग संघचालक एवं विश्व संवाद केन्द्र, काशी न्यास के पूर्व अध्यक्ष प्रो. बिशन किशोर का शनिवार को निधन हो गया। 88 वर्षीय प्रो. बिशन किशोर लम्बे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। पिछले 15 दिन से उनका इलाज बीएचयू आईसीयू में हो रहा था। विश्व संवाद केन्द्र के सचिव प्रदीप कुमार ने बताया कि बीएचयू आईआईटी प्रोफेसर पद से सेवानिवृत्त बिशन किशोर संघ के अनुषांगिक संगठन विज्ञान भारती के संस्थापक सदस्य भी रहे। वे समाज सेवा में विशेष रुचि रखते थे।



# मेट्रो रेल परियोजना से मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट की अर्थव्यवस्था को मिली संजीवनी : सुशील कुमार

**कानपुर।** कानपुर उत्तर प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ी आबादी वाला शहर है। अतीत में मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट के नाम से जानने वाले इस शहर की अर्थव्यवस्था को मेट्रो रेल परियोजना से नई गति और ऊर्जा मिल रही है। वोक्ल फॉर लोकल थीम के अंतर्गत स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसी) लेदर मेला 2025 का आधिकारिक प्रायोजक है तथा इस तीन दिवसीय आयोजन में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। यह बातें शनिवार को यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कही।



कार्डसिल फॉर लेदर एक्सपोज़ (सीएलई) द्वारा आयोजित वार्षिक लेदर मेले का आज शुभारम्भ किया गया। लोकसभा सांसद रमेश अवस्थी ने मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने लेदर

स्वदेशी मेला 2025 के आधिकारिक प्रायोजन हेतु यूपीएमआरसी को प्रशस्ति पत्र और शील्ड भेंट कर सम्मानित किया। मेले में स्थापित उत्तर प्रदेश मेट्रो के स्टॉल को राज्य की विभिन्न मेट्रो रेल परियोजनाओं एवं उनकी उपलब्धियों की जानकारी से सजाया गया है। स्टॉल पर विक्री के लिए आकर्षक सॉवेनिर आइटम्स, विशेष रूप से लेदर से निर्मित कीचैन, आगंतुकों के बीच आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इसके अतिरिक्त, कानपुर मेट्रो की टॉय ट्रेन भी लोगों द्वारा खूब सराही जा रही है।

# कॉर्पोरेट ग्राहकों, निर्यातकों से लेकर स्थानीय उद्यमियों तक के लिए डाक विभाग की तमाम सुविधाएं : कृष्ण कुमार यादव

**प्रयागराज।** डाक विभाग निरंतर नई तकनीकों और नवाचारों के माध्यम से अपनी सेवाओं का विस्तार करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। ग्राहक सेवा को अपनी प्राथमिकता बनाते हुए, डाक विभाग आज पारम्परिक डाक सेवाओं से आगे बढ़कर व्यापक वित्तीय, लॉजिस्टिक और डिजिटल सेवाएं भी उच्च गुणवत्ता एवं दक्षता के साथ प्रदान कर रहा है।



डिजिटल युग में जहां मोबाइल, ईमेल और सोशल मीडिया का व्यापक प्रयोग है, वहां भी पत्रों और डाक सेवाओं की अपनी विशेष अहमियत बनी हुई है। आज भी तमाम महत्वपूर्ण दस्तावेज-सरकारी व कोर्ट संबंधी पत्रों के साथ आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आई कार्ड, पैन कार्ड, विभिन्न बैंकों की चेक बुक व एटीएम कार्ड इत्यादि डाकघरों से ही भेजे जाते हैं। उक्त विचार पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने शनिवार को ह्माराष्ट्रीय डाक सप्ताहहृ के समापन दिवस पर आयोजित हृकस्टमर मीटहृ को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किया। इस अवसर पर डाक सेवाओं के बारे में जानकारी दी गयी एवं विभिन्न निर्यातकों से परिचर्चा की गई। यह पहल

स्थानीय व्यवसायों और उद्योगों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचने में सहायता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने डाक विभाग को महत्वपूर्ण व्यवसाय प्रदान करने वाले संस्थानों को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि कस्टमर मीट का उद्देश्य बल्क ग्राहकों को स्पीड पोस्ट और पार्सल सेवाओं में हाल ही में शुरू की गई नई पहलों से अवगत कराना है। ताकि ओडीओपी, जीआई, एमएसएमई निर्यातक, ई-कॉमर्स व्यवसायी अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप सेवाओं का लाभ उठा सकें। डाक विभाग विभिन्न व्यवसाय समूहों की आवश्यकताओं के अनुरूप विस्तृत और बहुआयामी योजनाएं संचालित कर रहा है। इनमें स्पीड पोस्ट, पार्सल, डाकघर निर्यात केंद्र, ई-पोस्ट, ज्ञात पोस्ट, बिजनेस पोस्ट, डायरेक्ट पोस्ट, मीडिया पोस्ट, रिटेल पोस्ट, लॉजिस्टिक्स पोस्ट, ई-पेमेंट, आधार सेवाएं, पासपोर्ट सेवाएं आदि प्रमुख हैं। पोस्टमास्टर जनरल ने कहा कि वाणिज्यिक निर्यात को बढ़ावा देने और निर्यातकों के लिए एक केंद्रीकृत, सरल और प्रभावी

समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डाकघर निर्यात केंद्रों की स्थापना की गई है। डाकघर निर्यात केंद्रों द्वारा स्थानीय उत्पादकों, विशेष रूप से ओडीओपी, जीआई, एमएसएमई से जुड़े व्यवसायों को वैश्विक बाजार तक पहुंच प्रदान की जा रही है, जिससे ह्मोक्ल फॉर लोकलहृ और ह्मआत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों को मजबूती मिल रही है। कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि डाकघरों में पिकअप एंड ड्रडकशन, पार्सल पैकेजिंग यूनिट, क्यूआर कोड से डिजिटल पेमेंट जैसी आधुनिक सेवाएं भी उपलब्ध हैं। अंतरराष्ट्रीय पार्सल बुकिंग के लिए ऑन स्पॉट कस्टम क्लियरेंस की सुविधा उपलब्ध है, जिससे अंतरराष्ट्रीय पार्सल बुकिंग प्रक्रिया सरल और शीघ्र हो गई है। विश्व भर में 200 से अधिक गंतव्य देशों और क्षेत्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय पार्सल सेवा उपलब्ध है। स्वागत भाषण प्रवर अधीक्षक पियूष रजक और आभार ज्ञापन प्रवर अधीक्षक चिराग मेहता ने तथा संचालन चिरायु व्यास ने किया। मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव दिपल मेहता द्वारा पाँचर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से डाक सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

# विदेशी कंपनियां भारत छोड़ो के आह्वान के साथ मुरादाबाद पहुंचा स्वदेशी संकल्प यात्रा रैली रथ

## रैली अमरोहा, संभल, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, शामली से होकर 17 अक्टूबर को सहारनपुर पहुंचेगी

**मुरादाबाद।** स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वाधान में मेरठ प्रांत की स्वदेशी संकल्प रैली के यात्रा रथ का शनिवार शाम को मुरादाबाद में आगमन हुआ। यह रैली आज रामपुर से प्रारंभ हुई है जो मुरादाबाद के बाद मेरठ प्रांत के अन्य जिले अमरोहा, संभल, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, शामली से होकर 17 अक्टूबर को सहारनपुर पहुंचेगी जहां इसका भव्य समापन होगा।



इंपीरियल तिराहे पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने किया। यात्रा में बड़ी संख्या में सामाजिक संगठन एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। मुरादाबाद पहुंचने पर यात्रा का शुभारंभ नगर विधानसभा से भाजपा नगर विधायक रितेश गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर किया। इसके बाद नगर विधायक ने स्वदेशी संकल्प शपथ सभी उपस्थित जनों को दिलवाई और सिर्फ स्वदेशी वस्तुएं खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने कहा स्वदेशी ही राष्ट्र भक्ति की अभिव्यक्ति है। देश के रोजगार और व्यापार को बचाना है तो स्वदेशी ही एकमात्र विकल्प है।

**सुल्तानपुर-** जिले के विकासखंड कूरभार क्षेत्र के चंडीका धाम गुप्तारगंज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शनिवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम मे मण्डल सहयोजक धर्मेन्द्र बहादुर सिंह उर्फ प्रिंस, रामशंकर आग्रही, राहुल कसौधन, आलोक तिवारी, खंड कारवा सोमेन्द्र प्रताप सिंह, शेषमोदी मिश्रा, दिग्विजय सिंह, गोकुल जी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता महोजूद रहे।

## सुल्तानपुर में 'यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला-2025' का आयोजन हुआ

**सुल्तानपुर-** सुल्तानपुर में 'यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला-2025' का आयोजन दिनांक 09 अक्टूबर, से 18 अक्टूबर के मध्य प्रातः 11 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक किया जा रहा है। आज श्री प्रवीन कुमार अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष, सुल्तानपुर, श्री दिनेश चौरसिया, सभासद एवं श्री करुणा शंकर द्विवेदी, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा एवं जन प्रतिनिधियों द्वारा मेले में लगी दुकानों एवं स्टालों का भ्रमण किया गया तथा हस्तशिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीददारी की गयी। अध्यक्ष महोदय द्वारा सरकार द्वारा चलाई जा रही इस मुहिम की प्रशंसा की एवं विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी को अपनाने का आवाहन किया एवं जनपद मे चलने वाले 10 दिवसीय स्वदेशी मेले के आयोजन हेतु यशस्वी प्रधानमंत्री एवं मा० मुख्मन्त्री जी की प्रशंसा की तथा आम जन मानस से अपील की दीपावली महापर्व के अवसर पर स्वदेशी कपड़े, मोमबन्दी, दिये आदि वस्तुओं की खरीददारी अधिकाधिक संख्या में करे जिससे जनपद सुल्तानपुर के हस्तशिल्पियों को बढ़ावा मिल सके।





# जयपुर/संपादकीय

## मोमोज नहीं है चाइनीज फूडज्ज्स देश से है कनेक्शन, जान लें हिस्ट्री और फैक्ट्स



**मोमोज आज के टाइम के सबसे पॉपुलर स्ट्रीट फूड्स में शुमार हो चुका है. मार्केट में स्ट्रीम से लेकर फाई और तंदूरी मोमोज तक कई वैरायटी मिल जाती हैं. ज्यादातर लोग इसे चाइनीज फूड भी समझते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है. तो चलिए जान लेते हैं मोमोज डिश की शुरुआत और इसका भारत में पॉपुलर हो**

स्ट्रीट फूड की बात की जाए तो मोमोज को कैसे भूला जा सकता है. आज के टाइम में ये बेहद पॉपुलर स्ट्रीट फूड में से एक है. जहां वेज मोमेज को सोया चंक्स और सब्जियों के साथ बनाया जाता है तो वहीं पनीर मोमोज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर हैं और नॉनवेज लवर्स के लिए चिकन मोमोज भी मार्केट में मिल जाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि मोमोज कैसे भारत में पॉपुलर हुए और सबसे पहले इनको बनाने की शुरुआत कहाँ पर हुई, यानी मोमोज कहाँ की ट्रेडिशनल डिश है. मोमोज को चाइनीज फूड समझते हैं तो आप भी गलत हैं. तो चलिए जान लेते हैं आपके फेवरेट फूड की शुरुआत और ये भारत में कैसे पॉपुलर होता चला गया है.भारत में वैसे तो मोमोज के कई अलग-अलग स्वाद आपको मिल जाएंगे, लेकिन सबसे ज्यादा लहसुन की तीखी चटनी के साथ इसे खाया जाता है, लेकिन शुरुआत में ऐसा नहीं था. भारत आने के बाद धीरे-धीरे इसमें बदलाव होते गए. चलिए जान लेते हैं मोमोज की शुरुआत से लेकर इसका स्ट्रीट फूड तक का सफर.

**इस देश की डिश है मोमोज**

मोमोज लवर हैं और आपको लगता है कि ये एक चाइनीज फूड है तो आप गलत हैं. मोमोज का कनेक्शन तिब्बत से है. ये वहीं की ओरिजिनल डिश है. दरअसल यहां का मौसम ठंडा होता है, इसलिए यहां स्टीम्ड फूड खाने की शुरुआत हुई, क्योंकि इस तरह बनाई गई चीजें ज्यादा लंबे समय तक गर्म रहती हैं. वहीं मोमोज के नाम की बात करें तो तिब्बती भाषा में इसका मतलब होता है भाप में पकी हुई डंपलिंग. अब जान लेते हैं कि मोमोज कब और कैसे से आया भारत.

**कैसे भारत पहुंचा मोमोज?**

माना जाता है कि मोमोज तिब्बत से नेपाल और फिर भारत पहुंचा. इस तरह से धीरे-धीरे ये पहाड़ी क्षेत्रों के बाद आज मैदानी इलाकों में भी बच्चों से लेकर बड़ों के लिए एक बेहद पसंदीदा स्ट्रीट फूड है. मोमोज को लेकर इतिहासकारों के अलग-अलग मत हैं जैसे कुछ का मानना ​​है कि 1९60 के दशक में जब बड़ी संख्या में तिब्बती लोग भारत आए और यहां अलग-अलग हिस्सों में बसे तो मोमोज हमारे यहां की अलग-अलग जगहों जैसे दार्जिलिंग, सिक्किम, दिल्ली, धर्मशाला, लद्दाख जैसी जगहों पर पॉपुलर होने लगे. वहीं यह भी कहा जाता है कि काठमांडू के एक व्यापारी की तिब्बत यात्रा के बाद मोमोज की रैसिपी भारत आई.

**चटनी के साथ मोमोज परोसना**

लहसुन, लाल मिर्च की चटनी के साथ मोमोज भारत में सबसे ज्यादा पॉपुलर है तो वहीं आपको स्ट्रीट स्टॉल्स और रेस्टोरेंट में ग्रेवी से लेकर तंदूर मोमोज भी मिल जाएंगे. फिलहाल माना जाता है कि मोमोज को चटनी के साथ परोसने की शुरुआत नेपाल में हुई. इस तरह से मोमोज जिन जगहों पर पहुंचता गया वहां के लोकल टेस्ट से इन्स्पायर होते हुए इसमें चेंजेस आए.

**चीन की इन डिश से हैं इन्स्पायर**

चीन में भी स्टीम्ड खाना काफी पॉपुलर है, इसलिए कुछ इतिहासकार ये भी मानते हैं कि मोमोज चीन में बनने वाले ट्रेडिशनल व्यंजनों जियाओजी और बाओजी से इन्स्पायर है. ये वेज और नॉनवेज दोनों तरह की डंपलिंग डिश होती हैं. इस तरह से स्थानीय स्वाद एड होते गए और मोमोज पॉपुलर स्ट्रीट फूड बन गया.

**कुछ समय पहले मुझे छत्तीसगढ़**

**के राजिम-नवापारा में जाने का**

**मौका मिला**

**कमार,**

विशेष पिछड़ी जनजाति में से एक हैं। जो अब भी उनकी पारंपरिक जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। यह आदिवासी गरियाबंद, छुआ और मैनपुर इलाके में पाए जाते हैं। इनका प्रकृति से गहरा जुड़ाव है और उसी पर इनकी आजीविका निर्भर है। जंगलों में कई तरह के कंद, चार, तेंदू, आंवला, महुआ और कई तरह की हरी भाजियां होती हैं। इसके अलावा वे बांस के बर्तन बनाते हैं और बेचते हैं।

कुछ समय पहले मुझे छत्तीसगढ़ के राजिम-नवापारा में जाने का मौका मिला। वहां मैंने सामाजिक कार्यकर्ता रामगुलाम सिन्हा से मुलाकात की। उन्होंने मुझे उनकी प्रेरक संस्था के क्षेत्र घुमाया और उनके काम को दिखाया। वे गरियाबंद के कमार आदिवासियों के बीच में लम्बे समय से काम कर रहे हैं। इस कॉलम में उनके काम की चर्चा करेंगे, जिससे यह समझा जा सके कि अगर किसी इलाके में लगातार काम किया जाए तो सामाजिक बदलाव संभव है।कमार, विशेष पिछड़ी जनजाति में से एक हैं। जो अब भी उनकी पारंपरिक जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। यह आदिवासी गरियाबंद, छुआ और मैनपुर इलाके में पाए जाते हैं। इनका प्रकृति से गहरा जुड़ाव है और उसी पर इनकी आजीविका निर्भर है। जंगलों में कई तरह के कंद, चार, तेंदू, आंवला, महुआ और कई तरह की हरी भाजियां होती हैं। इसके अलावा वे बांस के बर्तन बनाते हैं और बेचते हैं।गरियाबंद, पूर्व में रायपुर जिले के हिस्सा था, अब स्वतंत्र जिला बन गया है। रामगुलाम सिन्हा स्वयं इसी इलाके के एक गांव के रहने वाले हैं। बचपन से उन्होंने इस इलाके को करीब से देखा है और इसी ने उन्हें समाज कार्य के लिए प्रेरित किया है। मैं उनसे 90 के दशक की शुरुआत से परिचित हूं, पर उनके काम को देखने का मौका कुछ समय पहले ही मिला।गरियाबंद से लगे भिलाई गांव हमने उनके वसुंधरा केन्द्र को देखा, जहां देसी बीजों का संरक्षण व संवर्धन किया जाता है। उनके गुणधर्मों का पहचाना जाता है। प्रेरक संस्था ने यहां देसी बीजों के संरक्षण व संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए हैं। संस्था के भिलाई गांव स्थित वसुंधरा केन्द्र में 350 देसी धान की किस्मों का संग्रह है। जिसमें लाल चावल, काले चावल और एक हरे चावल की किस्म है। इसके अलावा, इन किस्मों में कम पानी में पकने वाली, ज्यादा पानी में पकनेवाली, लंबी अवधि की माई धान, कम अवधि की हरुना धान इत्यादि शामिल

# कमार आदिवासियों की आजीविका



हैं।इन किस्मों में जवाफूल, विष्णुभोग, बादशाह भोग, सोनामासुरी, पोरासटका, साठिया, लायचा, ड़ाबर, दूबराज, मासुरी इत्यादि है। इनमें कई किस्मों में ओषधि गुण भी हैं। सुगंधित किस्में भी हैं।

जो परंपरागत देसी बीज लुप्त हो रहे हैं, यहां उनके संरक्षण और संवर्धन का काम किया जा रहा है। देसी धान की किस्मों में लोहादी, मासुरी, विष्णुभोग, श्यामभोग, लाल चावल, काला चावल जैसी कई विशेष गुणों वाली किस्में शामिल हैं। इसके अलावा, उड़द, मूंग, तिवरा, झुरगा और अरहर जैसी कई अनाजों की किस्में हैं।इसके अलावा, वे धान की रोपाई मेडगास्कर पद्धति से करते हैं। इस पद्धति में खेतों में पानी भरने की जरूरत नहीं होती और बीज भी कम लगता है। इस पद्धति से फसल का उत्पादन दोगुना लिया जा सकता है, जिसे छत्तीसगढ़ में कुछ किसानों से हासिल कर लिया है। मिश्रित खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। बिना रासायनिक व बिना कीटनाशक की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और यहां धान की हजारों प्रजातियां हैं। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से मशहूर कृषि वैज्ञानिक डा. आर.एच. रिछरिया ने 17 हजार से अधिक देसी धान किस्मों को एकत्रित किया था।

जिनमें अधिक उत्पादकता देने वाली, सुगंधित व स्वाद में बेजोड़ किस्में शामिल थीं।डाॅ. रिछरिया चावल की किस्मों के विशेषज्ञ थे। वे मानते थे देसी किस्मों को ही देश में धान की खेती की प्रगति का आधार बनाना चाहिए। उन्होंने पता लगाया था कि धान की किस्मों की विविधता का बहुत अमूल्य भंडार है।

### संपादकीय

## मायावती ने गंवाया मौका

उत्तरप्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा की मुखिया बहन मायावती ने गुरुवार को खुद अपनी साख पर बड़ा बड़ा लगा लिया। मायावती कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तो लगातार निशाना लगाती ही हैं, लेकिन इस बार उन्होंने सपा और कांग्रेस की आलोचना के साथ भाजपा शासन की तारीफ की और योगी सरकार का आभार भी जता दिया। गौरतलब है कि मायावती के बारे में अक्सर ये कहा जाता है कि वे भाजपा की बी टीम के तौर पर काम करती हैं। अर्थात सीधे-सीधे न सही लेकिन चुनावों में वे इस तरह पांसे बिछाती हैं, जिससे भाजपा को फायदा हो, और सपा, कांग्रेस या अन्य भाजपा विरोधी दलों को नुकसान हो। जबकि जिस दलित पृष्ठभूमि से मायावती आती हैं और दलित राजनीति के बूते ही वे सत्ता तक भी पहुंची, उस दलित समुदाय की घोर उपेक्षा भाजपा के शासनकाल में हो रही है, इसके गवाह दलित उपीड़न के आंकड़े भी दे रहे हैं। जब भी दलित को प्रताड़ित करने की कोई बड़ी घटना होती है, तो बहनजी

से स्वाभाविक तौर पर उम्मीद की जाती है कि वे कोई बयान देंगी। लेकिन मोदी शासनकाल में मायावती ने मानो सरकार के खिलाफ बोलना छोड़ ही दिया है। उनके इस रवैये के कारण बसपा की प्रासंगिकता भी कम होती गई, चुनावी नतीजे इसका प्रमाण हैं। लेकिन अब भाजपा की तारीफ कर बहनजी ने जो थोड़ी बहुत उम्मीद दलितों को उनसे थी, वो भी खत्म कर दी है।पाटक जानते हैं कि पिछले 13 सालों से मायावती सत्ता से बाहर हैं, लेकिन उत्तरप्रदेश में दलितों का यकीन उन पर अब भी बना हुआ है, ऐसा तब लगा जब गुरुवार को लखनऊ में हुई महारैली में बड़ी भीड़ जुटी। कांशीराम जी की पुण्यतिथि पर मायावती ने ये महारैली की थी, जिसका असली मकसद 2027 के चुनावों की तैयारी थी और इसके अलावा अपने भतीजे आकाश आनंद को फिर से सार्वजनिक तौर पर उत्तराधिकारी बताना था। हालांकि बड़ी संख्या में दलित जुटे, तो इसकी वजह यही थी कि वे फिर से उस आत्मसम्मान को वापस पाने की उम्मीद कर रहे हैं,

जिसे भाजपा सरकार में लगातार कुचला जा रहा है। चुनावों के वक्त भाजपा के नेता, मंत्री दलितों के घर खाना खाते हुए तस्वीरें तो बहुत खिंचाते हैं, लेकिन जिन चमकते बर्तनों में वे भोजन करते हैं और जितने तरह के व्यंजन परोसे हुए होते हैं, उसे देखकर समझ आता है कि ये सारा तामझाम कुछ घंटों के वीडियो और तस्वीरें बनाने का है। जिसमें सब कुछ नाटकीय है, असलियत नहीं है। अगर दलितों को स्वर्ण तबका अपने बराबर की सामाजिक स्वीकार्यता देता तो फिर इस तरह किसी को किसी के घर भोजन करने न जाना पड़ता।भाजपा सरकार में दलितों का अपमान, बाबा अंबेडकर से नफरत और संविधान को खत्म करने की जो कोशिशें लगातार चल रही हैं, उन पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों पुरजोर तरीके से आवाज उठा रहे हैं। लेकिन मायावती ने गुरुवार को योगी सरकार की तारीफ की तो वहीं सपा पर जमकर हमला बोला। जिस पर अखिलेश यादव ने कहा कि क्योंकि %उनकी% अंदरूनी सांठागट है जारी, इसीलिए वो हैं जुलम करने

वालों के आभारी।बता दें कि मायावती ने रैली की शुरुआत में कहा कि अभी मैंने सुना कि अखिलेश यादव ने सत्ता में आने पर कांशीराम का स्मारक बनाने की बात कही लेकिन जब सत्ता में थे तो कभी ऐसा नहीं किया। ये लोग जब सत्ता में नहीं होते हैं तो इन्हें बसपा के नेता और दलित समाज के संतों की याद आती है जब सत्ता में आते हैं तो कुछ नहीं याद रहता है। ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने इल्जाम लगाया कि बसपा की सरकार रहते हुए मैंने जिन स्मारकों का नाम कांशीराम जी के नाम पर रखा उन्हें सपा की सरकार आने पर बदल दिया गया। मायावती ने कहा कि बसपा सरकार में कांशीराम के सम्मान में स्मारक स्थल बनाया गया था। उन्होंने योगी सरकार का भी आभार जताया और कहा कि स्मारक के देखने आने वालों की टिकट से आया पैसा इस सरकार ने सपा की सरकार की तरह टिकट का पैसा दबाकर नहीं रखा। भाजपा सरकार ने ऐसा नहीं किया बल्कि स्मारक के रखरखाव के लिए खर्च किया।

# बिजली के लिए बेशर्मी : एक रुपये एकड़ में अडानी को जमीन

**भागलपुर जिले के पीरपैती क्षेत्र की 1,050 एकड़ भूमि को 'अडानी पावर' को 33 वर्षों के लिए मात्र एक रुपये प्रति एकड़ वार्षिक किराए पर देने का निर्णय बिहार में एक बड़ा राजनीतिक सवाल बन चुका है।तालिबान के विदेश मंत्री अमीर सयान मुताफ़्फ़ी का भारत आना अपने आप में बड़ी खबर है**

पीरपैती अडानी पावर प्रोजेक्ट के मुआवजे में तीन तरह की अनियमितताएं हैं- एक, एक ही मौजा, खाता, खसरा की जमीन के लिए अलग-अलग दर पर मुआवजा दिया गया है। दूसरे, जिन किसानों ने जमीन खरीदी थी, लेकिन कागज नहीं बना पाए थे, उन्हें मुआवजा नहीं मिल रहा। मामला कोर्ट में लंबित है और तीसरे, कई लोगों को कोई भी मुआवजा नहीं मिला है।

भागलपुर जिले के पीरपैती क्षेत्र की 1,050 एकड़ भूमि को अडानी पावर को 33 वर्षों के लिए मात्र एक रुपये प्रति एकड़ वार्षिक किराए पर देने का निर्णय बिहार में एक बड़ा राजनीतिक सवाल बन चुका है। कांग्रेस के साथ-साथ महागठबंधनकी सहयोगी पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं। कांग्रेस ने इस सवाल पर पटना में मार्च तक किया। गत 15 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीरपैती में 2400 मेगावाट क्षमता वाली अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल थर्मल-पावर परियोजना का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शिलान्यास किया था। पूर्णिया में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा था कि लगभग 29,000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह परियोजना न सिर्फ बिहार, बल्कि पूरे पूर्वी भारत की सबसे बड़ी कोयला आधारित बिजली परियोजना होगी।इसी तरह चालीस साल पहले 23 मई 1984 को कहलगांव एनटीपीसी की बुनियाद भी रखी गई थी। शुरुआत में स्थानीय लोगों ने विकास, रोजगार और बेहतर जीवन-स्तर का सपना देखा था, लेकिन आज यह सपना धुंधला हो गया है। प्रदूषण, रोजगार की कमी और बुनियादी सुविधाओं के अभाव ने ग्रामीणों की उम्मीदें तोड़ दी हैं। अब हालात इतने खराब हैं कि लोग गांव छोड़ने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्लांट से निकलने वाली राख की आंधी ने उनका जीना दुश्वार कर दिया है। घरों, फसलों और पानी पर राख



जम जाती है, जिससे लोग गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इस परियोजना में जमीन गंवाने वाले बहुत कम लोगों को रोजगार मिला है। पड़ोस में झारखंड के गोड्डा की भी ऐसी ही स्थिति है- वहां कोयला ऑस्ट्रेलिया से आता है और बिजली बांग्लादेश को जाती है।पीरपैती अडानी पावर प्रोजेक्ट का विरोध इन्हीं अनुभवों के कारण हो रहा है। भाकपा माले के महासचिव दीपकर भट्टाचार्य का कहना है कि पीरपैती में सरकार ने एनटीपीसी के नाम पर किसानों से बेशर्मीमती जमीनें लीं और कहा कि यहां विकास होगा, लोगों को रोजगार मिलेगा, लेकिन अदाणी को जमीन दे दी, जो गलत है। अधिग्रहीत जमीन का मुआवजा सही ढंग से नहीं दिया गया है और भुगतान भी नहीं विसंगत है।

जमीन पर तकरीबन 10 लाख आम और अन्य फलों के पेड़ हैं, लेकिन उन पेड़ों का भी कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। कमालपुर के मुखिया दीपक सिंह ने पुनर्वास की मांग की तो उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। अन्य कई लोगों को नजरबंद कर दिया गया।इस इलाके में एनटीपीसी के नाम पर 2010 में 7 पंचायतों में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हुई थी। अचानक 15 वर्षों बाद यह जमीन अडानी को दे दी गई। किसानों का कहना है कि जमीन उन्होंने बिहार सरकार को दी थी, अडानी को नहीं। किसानों ने जिला प्रशासन से अपील की थी कि उपजाऊ

जमीन की बजाय बगल की एकफसला जमीन का अधिग्रहण किया जाए, ताकि नुकसान कम हो। वे बाद में उच्च न्यायालय भी गए, लेकिन कोर्ट ने इस मामले में अजीब फैसला देते हुए कहा कि सरकार किसानों से पूछकर जमीन खरीदेगी क्या?नागरिक समाज के कई प्रतिनिधि बताते हैं कि पावर प्लांट का सब्जाबग दिखाकर सच्चाई छुपाई जा रही है। लोगों को पहले से रोजगार मिल रहा है- आम के बगीचे लाखों परिवारों को आजीविका प्रदान करते हैं। जिनके पास जमीन है और जिनके पास नहीं है- दोनों को यहां रोजगार मिलता है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों को जमीन, रोजगार और आजीविका से बेदखल करके अडानी को लाभ पहुंचाना मोदी व नीतीश सरकार की साजिश है।पीरपैती अडानी पावर प्रोजेक्ट% के मुआवजे में तीन तरह की अनियमितताएं हैं- एक, एक ही मौजा, खाता, खसरा की जमीन के लिए अलग-अलग दर पर मुआवजा दिया गया है। दूसरे, जिन किसानों ने जमीन खरीदी थी, लेकिन कागज नहीं बना पाए थे, उन्हें मुआवजा नहीं मिल रहा। मामला कोर्ट में लंबित है और तीसरे, कई लोगों को कोई भी मुआवजा नहीं मिला है। मुआवजों में ताकतवार लोगों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई है। कमालपुर टोले में विस्थापित होने वाले परिवारों का आरोप है कि इतने कम मुआवजे में वे कहां जमीन खरीदेगें? सरकार उन्हें मकान बनाकर जमीन के बदले जमीन

दे। यहां तकरीबन 64 घर विस्थापित होंगे, उन्हें लगातार नोटिस भेजे जा रहे हैं।जन आंदोलनों के राष्ट्रीय समन्वय (एनएपीएम) ने अवैधानिक और अपारदर्शी फैसले की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि किसानों के अधिकारों, जनहित और पर्यावरणीय संतुलन को कांरपोरेट मुनाफे के लिए अनदेखा किया जा रहा है। यह खुलेआम क्रोनी कैपिटलिज्म का उदाहरण है जो शासन में जनता के अविश्वास को और गहराता है। संगठन ने मांग की है कि %पीरपैती थर्मल पावर प्रोजेक्ट को तुरंत रद्द किया जाए और प्रभावित किसानों को उनकी अधिग्रहीत भूमि वापस दी जाए, उनके ही अब तक हुए नुकसान की पूरी भरपाई और पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए।

इस परियोजना की लगभग 1,050 एकड़ भूमि 915 किसानों की है, जिसमें से कई हिस्से उपजाऊ हैं और आम, लीची और अन्य फसलों की खेती में इस्तेमाल होते हैं। इस भूमि को बंजर घोषित करके अधिग्रहण किया गया है। कई किसानों को दस साल पहले तय की गई पुरानी दरों पर भुगतान किया गया है। एक बार का मुआवजा जीवनभर की आजीविका और भूमि से जुड़े सांस्कृतिक-सामाजिक संबंधों की भरपाई नहीं कर सकता। यह उस संरचनात्मक असमानता को दिखाता है, जिसमें किसानों को पूंजीवाद के लाभोन्मुख विकास में बलि का बकरा माना जाता है।

भागलपुर भारत और दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से है। जनवरी 2024 में इसे भारत का दूसरा और विश्व का 31वां सबसे प्रदूषित शहर दर्ज किया गया। पहले से ही प्रदूषित इस क्षेत्र में कोयले का बढ़ता उपयोग वायु और जल गुणवत्ता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाएगा, ध्वसन संबंधी रोगों को बढ़ाएगा और लाखों लोगों, विशेष रूप से सबसे संवेदनशील वर्ग के जीवन को प्रभावित करेगा। इस आपदा में और वृद्धि होगी, क्योंकि 10 लाख पेड़ों की कटाई की योजना है,

जिसका गंगा-बेसिन के पारिस्थितिकी तंत्र पर अपरिवर्तनीय प्रभाव पड़ेगा। ऐसी परियोजनाएं सीधे नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को खतरे में डालती हैं और उन नदी संरक्षण मिशनों की भावना का उल्लंघन करती हैं, जिनकी पैरवी सरकार करती है।पीरपैती परियोजना भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं के विपरीत है, जो पेरिस समझौते, उसके राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान और 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य के तहत की गई हैं। भारत सरकार और बिहार सरकार दोनों ने नवीकरणीय ऊर्जा संक्रमण का समर्थन करने की बात कही है, फिर भी उनके कार्य एक विरोधाभासी और खतरनाक रास्ता दिखाते हैं.



# जयपुर/झरोखा

## करणशन का कॉंकटेल! राजनीतिक दबाव और लालच कैसे डुबो रहा है सिविल सेवाओं की साख ?

**एजेंसी नई दिल्ली।** भारतीय सिविल सेवा को कभी ‘स्टील फ़ेम ऑफ इंडिया’ कहा जाता था. इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण, कुशल प्रशासन और जनकल्याण सुनिश्चित करना रहा है. आईएएस और आईपीएस अधिकारी देश के नीति-निर्माण और कानून व्यवस्था के एजजीक्यूशन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. उन्हें हाई लेवल शक्तियां, उच्च सामाजिक प्रतिष्ठा और महत्वपूर्ण वित्तीय निर्णय लेने का अधिकार प्राप्त होता है. हालांकि, पिछले कुछ दशकों में, इन प्रतिष्ठित सेवाओं के कुछ शीर्ष अधिकारियों के नाम लगातार करप्शन, वित्तीय घोटालों और पद के दुरुपयोग के मामलों में सामने आए हैं.

यह प्रवृत्ति भारतीय लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत है. यह न केवल सरकारी योजनाओं के एजजीक्यूशन को बाधित करती है, बल्कि आम नागरिकों के बीच शासन प्रणाली के प्रति भरोसा और विश्वास (Trust and Confidence) भी कम करती है. बड़े घोटालों में वरिष्ठ अधिकारियों का शामिल होना दर्शाता है कि भ्रष्टाचार की जड़ें टॉप लेवल तक फैल चुकी हैं, जहां नीतियों को जानबूझकर पर्सेनल प्रॉफिट के लिए तोड़ा-मरोड़ा जाता है. इस स्थिति के कई कॉम्प्लेक्स कारण गिनाए जा सकते हैं. इनमें राजनीतिक दबाव से लेकर कमजोर मॉनिटरिंग सिस्टम और अधिकारियों की अपनी नैतिक गिरावट भी शामिल है.

सिविल सर्वेंट भ्रष्टाचार का हिस्सा कैसे बन गए?

यह समस्या जरूरी है कि इन अफसरों को भ्रष्टाचार की तरफ ले जाने वाला कारक केवल लालच नहीं है, बल्कि स्ट्रक्चरल और इंस्टीट्यूशनल फेक्टर भी है. सिविल सर्वकों के लिए स्वच्छ और निष्पक्ष वर्किंग एनवायरमेंट सुनिश्चित करने वाले सिस्टम धीरे-धीरे कमजोर हो गए हैं. उदाहरण के लिए, अस्थिर टेंच्योर और बार-बार होने वाले राजनीतिक तबादले अधिकारियों को ईमानदारी से काम करने के बजाय राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए प्रेरित करते हैं.

## कुख्यात गौंगस्टर राशिद केबलवाला अजरबैजान में गिरफ्तार, भारत प्रत्यर्पण की तैयारी

**एजेंसी नई दिल्ली।** दिल्ली के अपराध जगत में दहशत का पर्याय रहे फरार गैंगस्टर राशिद केबलवाला को आखिरकार पकड़ लिया गया है. सूत्रों ने पुष्टि की कि तुर्की के इस्तांबुल से अजरबैजान पहुंचते ही बाकू के हेयदार अलीयेव अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे हिरासत में लिया. उसके यात्रा दस्तावेजों में अनियमितताओं के कारण यह कार्रवाई हुई. एक रिश्तेदार के अनुसार यह स्पष्ट नहीं है कि उसे जेल में बंद किया गया है या जमानत के बाद गिराफाने में रखा गया है. भारतीय खुफिया एजेंसियां अब उसके प्रत्यर्पण के लिए सक्रिय हो चुकी हैं.

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम उसके आपराधिक इतिहास और डोजियर को उचित चैनलों के माध्यम से साझा करेंगे. राशिद केबलवाला दिल्ली पुलिस की ‘मोस्ट वांटेड’ सूची में शामिल है. जेल में बंद गैंगस्टर हाशिम बाबा का करीबी सहयोगी है और उसके गैंग के संचालन को संभाल रहा था. वह कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट से भी जुड़ा है. उसका नाम पिछले साल सितंबर में ग्रेटर कैलाश-1 में व्यवसायी नादिर शाह की हत्या के सिलसिले में सामने आया था.

## दिल्ली चिड़ियाघर के दीदार का इंतजार खत्म, इस तारीख से पर्यटक उठाएंगे आनंद!

**एजेंसी नई दिल्ली।** 30 अगस्त से बंद चल रहे दिल्ली चिड़ियाघर के खुलने का इंतजार दर्शक बेसब्री से कर रहे हैं. कभी पर्यटकों से खचाखच भरे रहने वाला दिल्ली चिड़ियाघर लगभग डेढ़ महीने बाद भी नहीं खुल सका है. आज 11 अक्टूबर को दिल्ली चिड़ियाघर को बंद हुए डेढ़ महीने हो जाएंगे. ऐसे में छोटे-छोटे बच्चे दिल्ली चिड़ियाघर के खुलने का इंतजार कर रहे हैं. आखिर कब खुलेगा दिल्ली चिड़ियाघर, दोबारा यही सवाल हर कोई पूछ रहा है तो फिलहाल अब दिल्ली चिड़ियाघर के खुलने की तारीख सामने आ चुकी है. दिल्ली चिड़ियाघर दर्शकों जल्द ही गुलजार होगा. दर्शक यहां के जानवरों का जल्द ही दीदार कर सकेंगे. आपको बता दें कि दिल्ली चिड़ियाघर 29 अगस्त को बंद कर दिया गया था. सबसे बड़ी वजह यह थी कि यहां पर बर्ड फ्लू फैल गया था. बर्ड फ्लू की वजह से लगभग 12 पक्षियों की मौत हो गई थी. इसके बाद हड़कंप मच गया था. इसी बीच दिल्ली चिड़ियाघर से अफ्रीकी हाथी जो कि एक मात्र था. उसकी मौत की खबर ने सभी को हिला कर रख दिया था.

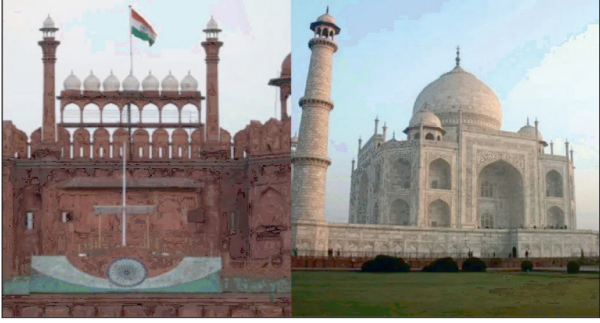


## ‘कल को ताजमहल और लाल किले पर भी कर देंगे वक्फ संपत्ति का दावा’, जानें हाई कोर्ट ने ऐसा क्यों कहा

**एजेंसी नई दिल्ली।** एक ऐतिहासिक फैसले में केरल हाई कोर्ट ने कहा है कि मुनूबम गांव को वक्फ संपत्ति के रूप में अधिसूचित करना केरल वक्फ बोर्ड का जमीन हड़पने का हथकंडा था। इसी के साथ कोर्ट ने विवादित भूमि के स्वामित्व का पता लगाने के लिए जांच आयोग नियुक्त करने के सरकारी आदेश को बरकरार रखा। जस्टिस सुरेश्वत अरविंद धर्माधिकारी और श्याम कुमार वीएम की पीठ ने शुरूवार कहा कि अनिवार्य प्रक्रिया और वक्फ अधिनियम 1954 और 1955 के अनुपालन के अभाव में संबंधित संपत्ति को कभी वक्फ संपत्ति के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि विवादित भूमि को वक्फ के रूप में अधिसूचित करना वक्फ अधिनियम 1954 और 1995 के प्रविधानों के विपरीत है। इस कदम से सैकड़ों परिवारों की रोजी-रोटी प्रभावित हुई है, जिन्होंने वक्फ संपत्ति की अधिसूचना से

दशकों पहले जमीन खरीदी थी।

पीठ ने आगे कहा कि यदि वक्फ की ऐसी मनमानी घोषणा को न्यायिक



मंजूरी मिल जाती है, तो कल ताजमहल, लाल किला और राज्य विधानमंडल परिसर सहित कोई भी इमारत, यहां तक कि इस कोर्ट की इमारत को भी केरल वक्फ बोर्ड द्वारा वक्फ संपत्ति घोषित किया जा सकता है।

**पूरा मामला क्या है?**  
एनकुलम जिले के चेराई और

रहना चाहिए बल्कि उन्हें फलना-फूलना भी चाहिए। जस्टिस नागरत्ता ‘यूनिसेफ इंडिया’ के सहयोग से सुप्रीम कोर्ट की किशोर न्याय समिति द्वारा आयोजित ‘बालिकाओं की सुरक्षा - भारत में उनके लिए सुरक्षित और

अनुकूल वातावरण की ओर’ विषय पर राष्ट्रीय वार्षिक परामर्श कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। न्यायमूर्ति नागरत्ता ने पोषण देखभाल के महत्त्व पर जोर देते हुए कहा कि उचित पोषण के बिना, बालिकाओं के उत्थान के सभी प्रयास

# नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर नहीं दिखेगी भीड़, दिवाली-छठ पर जाने वाले यात्रियों के लिए किया ऐसा जबरदस्त इंतजाम

**रेलवे ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक नया यात्री सुविधा केंद्र (होलिडिंग एरिया) खोला है. यह पहल खास तौर पर दीपावली और छठ पूजा के दौरान बढ़ती भीड़ को मैनेज करने और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है. फरवरी 2025 में रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मच गई थी. इसी के चलते अब इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए 7,000 यात्रियों की क्षमता वाला होलिडिंग एरिया बनाया गया है.**

**एजेंसी नई दिल्ली।** रेलवे ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा और इंतजार को ध्यान में रखते हुए एक नया यात्री सुविधा केंद्र (होलिडिंग एरिया) तैयार किया है. यह कदम खासतौर पर दीपावली और छठ पूजा के दौरान बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए उठाया गया है. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट साइड पर बने इस सुविधा केंद्र में अनारक्षित टिकट वाले यात्रियों को आराम और सुविधा के साथ सभी जरूरी सेवाएं मिलेंगी. इस सुविधा केंद्र का निरीक्षण केंद्रीय रेल मंत्री अधिनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार और जीएम नॉर्दन अशोक वर्मा ने किया. इस साल फरवरी महीने में 15 तारीख को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर देर रात भगदड़ मच गई थी, जिसमें करीब 18 लोगों की मौत हो गई थी. जांच में सामने आया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (एनडीएलएस) पर इसलिए भगदड़ मची. क्योंकि यात्री ‘प्रयागराज एक्सप्रेस’ और ‘प्रयागराज

स्पेशल’ के बीच कंप्यूज हो गए थे और उन्हें लगा कि उनकी ट्रेन छूट सकती है.

**स्थायी होलिडिंग एरिया बनाने का आदेश** दिवाली और छठ के मौके पर अपने-अपने घर जाने के लिए लोगों की भारी भीड़ रेलवे स्टेशन पर हर साल देखने को मिलती है. ऐसे में फरवरी में हुई घटना के बाद रेल मंत्रालय की ओर से देशभर के 5 रेलवे स्टेशनों पर स्थायी होलिडिंग एरिया बनाने का आदेश दिया गया था. रेल मंत्री ने कहा कि इस नए सुविधा केंद्र से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ उनकी सुविधा भी बढ़ेगी.

**होलिडिंग एरिया की क्षमता 7,000 यात्री** इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि इस स्थायी होलिडिंग एरिया की क्षमता लगभग 7,000 यात्रियों की है, जिससे त्योहारों के दौरान भीड़ प्रबंधन और यात्रियों की सुविधा में काफी सुधार होगा. दिल्ली मंडल के अध्यक्ष पुष्पेश रमण त्रिपाठी के नेतृत्व में इस होलिडिंग एरिया को तीन हिस्सों में बांटा गया है, जिनमें टिकटिंग एरिया, पोस्ट

# हिंडन किनारे मिला सड़ा-गला शव, टेप से कसकर प्लास्टिक के बैग में किया था बंद

**एजेंसी नई दिल्ली।** नई दिल्ली-राजधानी दिल्ली के गाजीपुर इलाके में एक बार फिर से शव मिलने से हड़कंप मच गया। यहां हिंडन नहर के पास एक प्लास्टिक की थैली में बंद एक व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिला है। शव वाली थैली को भूरे रंग के टेप से लपेटा गया था। एक अधिकारी ने रविवार को शव मिलने की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस को

शनिवार शाम मुल्ला कॉलोनी के सामने हिंडन नहर के एक सूखे क्षेत्र के पास एक संदिग्ध वस्तु पड़ी होने की सूचना मिली। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्या की वजहों का पता नहीं चल सका है। पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है।

‘‘गाजीपुर थाने को हिंडन नहर के

किनारे संदिग्ध वस्तु होने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां भूरे रंग के टेप से कसकर बंद की गई एक प्लास्टिक की थैली मिली। उसे खोलने पर एक सड़ा-गला मानव शव मिला।’’ शव मिलने

के बाद घटनास्थल की घेराबंदी कर

दी गई और सबूत इकट्ठा करने के लिए अपराध और फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। शव कई दिन पुराना लग रहा था और बुरी तरह सड़ चुका था। फिलहाल शव को पहचान की पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रख दिया गया है।

**कहीं और की गई हत्या** प्रारंभिक जांच में अदेशा जताया गया है कि व्यक्ति की हत्या कहीं और की गई होगी और उसका शव नहर में फेंक दिया गया होगा। पुलिस ने कहा, ‘‘मृत्यु का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा।’’ उन्होंने कहा कि आस-पास के थानों, गुमशुदा व्यक्तियों के रिकॉर्ड और आसपास के सीसीटीवी फुटेज के जरिए मृतक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

# दिल्ली में गुलाबी ढंड ने दी दस्तक... पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद बदला मौसम, UP में भी सर्दी की शुरुआत, जानें अपने इलाके का हाल

**एजेंसी नई दिल्ली ।** दिल्ली-एनसीआर में मौसम सुहावना बना हुआ है. बारिश का दौर भले ही थम गया हो, लेकिन दिल्ली में ठंड ने दस्तक दे दी है. दिल्ली वालों को हल्की ठंड महसूस हो रही है. मौसम विभाग की ओर से दिल्ली में 17 अक्टूबर तक मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान जारी किया गया है. अगले 5 दिन आसमान पूरी तरह से साफ रहेगा. इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव होता रहेगा.

आज दिल्ली का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. दिल्ली में शनिवार को दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई. दिल्ली में ठंड की शुरुआत हो गई है. दिल्ली के साथ-साथ पहाड़ी राज्यों पर भी गुलाबी ढंड ने दस्तक दे दी है. उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी गुलाबी ढंड की एंट्री हो गई है. हिमाचल



प्रदेश में अक्टूबर के पहले हफ्ते में हुई बर्फबारी से कई जिलों में रात का तापमान भी शून्य से नीचे चला गया है.

**UP-बिहार में भी ठंड की शुरुआत** उत्तर प्रदेश में भी ठंड की शुरुआत हो गई है. कई जिलों में लोगों ने कंबल निकालने शुरू

कर दिए हैं. मौसम विभाग की ओर से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड में 15 अक्टूबर तक बारिश का कोई अल्टर् जारी नहीं किया है. इस दौरान इन राज्यों में मौसम शुष्क बना रहेगा और आसमान साफ रहेगा. इसके साथ ही बिहार और झारखंड में भी अब मौसम का मिजाज बदल

**दिल्ली-एनसीआर में हल्की ठंड ने दस्तक दे दी है, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार में भी गुलाबी ढंड का अहसास होने लगा है. मौसम विभाग ने दिल्ली में 17 अक्टूबर तक साफ मौसम रहने का अनुमान लगाया है.दक्षिण भारत के राज्यों जैसे तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश में 12 से 15 अक्टूबर के दौरान भारी बारिश की संभावना है.**

गया है और हल्की ठंड की शुरुआत हो गई है. इन राज्यों में बारिश की संभावना 12 से 17 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु

सुलभ, पारदर्शी और तेज बनाना है ताकि लोगों को दफ्तरों के चक्र न लगाने पड़े।

अधिकारी ने बताया कि यूजर्स एक डिभाषी चैटबॉट (हिंदी और अंग्रेज़ी में) के साथ बातचीत कर

चलाई थी। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट को लागू करने की जिम्मेदारी एक टेक कंपनी को सौंपी जाएगी, जिसे सरकार इस प्रणाली को डिजाइन और लागू करने के लिए नियुक्त करेगी।

सकेंगे, जो उन्हें जन्म प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेजों और अन्य सेवाओं के लिए आवेदन करने, आवश्यक कागजात अपलोड करने और शुल्क का भुगतान करने में मदद करेगा।

**सूचना प्रौद्योगिकी विभाग कर रहा तैयारी** यह प्रोजेक्ट सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) विभाग द्वारा तैयार किया जा रहा है। विभाग ने पिछली दिल्ली सरकार के कार्यकाल में सरकारी सेवाओं को घर-घर तक पहुंचाने की योजना

रखने का प्रयास किया था, जो COVID-19 के दौरान तेजी से बढ़ा।

अधिकारी ने बताया कि यूजर्स एक डिभाषी चैटबॉट (हिंदी और अंग्रेज़ी में) के साथ बातचीत कर

## कुशवाहा समाज के लड़के ने धोए ब्राह्मण के पैर... मांगी माफी, AI इमेज को लेकर मध्य प्रदेश में जातीय तनाव

**एजेंसी नई दिल्ली ।** मध्य प्रदेश में पुलिस ने दमोह जिले में जाति-आधारित अपमान की एक कथित घटना की जांच शुरू कर दी है। यहां पर एक युवक को कथित तौर पर सोशल मीडिया पर एआई-जनरेटेड फोटो पोस्ट करने के बाद दूसरे व्यक्ति के पैर धोने और ब्राह्मण समुदाय से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया था। सतरिया गांव के रहने वाले पुरुषोत्तम कुशवाहा ने इंटरग्राम पर एआई द्वारा बनाई गई फोटो पोस्ट की। इसमें एक व्यक्ति जूतों की माला पहने हुए दिखाई दे रहा है। अनुज पांडे नाम का यह व्यक्ति ब्राह्मण समुदाय से है और उस पर गांव में शराब की बिक्री पर बैन लगाने के सामूहिक फैसले का उल्लंघन करने का आरोप है। कुशवाहा ने 15 मिनट के अंदर ही पोस्ट हटा दिया और माफी मांगी, लेकिन इससे गांव में आक्रोश फैल गया।

**कुशवाहा पांडे के पैर धोते हुए दिखाई दे रहा है** सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कुशवाहा पांडे के पैर धोते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में वे कहते सुनाई दे रहा है, ‘+ब्राम्हण समाज से माफी मांगता हूं। ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। हम ब्राह्मणों की इसी तरह पूजा करते रहेंगे।+ दमोह के एसपी अभिषेक तिवारी ने



बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है। तिवारी ने एक बयान में कहा, ‘+कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए, दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम में लगातार इलाके में गश्त कर रही है।+ उन्होंने बताया कि इलाके में शांति बनाए

रखने के लिए वरिष्ठ अधिकारी और लोग वातचीत कर रहे हैं। पटेरा थाना प्रभारी को कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं और सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं।

**कहां से शुरू हुआ विवाद?** घटनाओं का सिलसिला सतरिया गांव में शराबबंदी लागू करने के सामूहिक फैसले से शुरू हुआ। पांडे पर इस बैन का उल्लंघन करते हुए शराब बेचने का आरोप लगाया गया। इसके बाद गांव की पंचायत ने उन्हें गांव में घूम-घूम कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का आदेश दिया। साथ ही, उन पर 2100 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। इसी संदर्भ में कुशवाहा ने एआई द्वारा बनाई गई फोटो बनाकर पांडे का मजाक उड़ाते हुए पोस्ट कर दिया। जब यह पोस्ट सामने आई, तो तनाव बढ़ गया। पांडे ने कथित तौर पर उकते और उनसे परिकार के साथ गाली-गलौज की। इसके बाद जो हुआ वह एक निजी झगड़े की सांप्रदायिक टकराव में बदल गया।

निरर्थक हो सकते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो, उसके पैदा होने की संभावना, सही पोषण, देखभाल, शिक्षा और भौतिक संसाधनों तक उसकी पहुंच, सुरक्षित और संरक्षित वातावरण, स्वयं के बारे में एक अलग भावना का विकास और वह

जो कुछ भी हासिल करने का मन बनाती है, उसे हासिल करने में सक्षम होना, इस देश में पैदा हुए एक लड़के के बराबर है। नागरत्ता ने कहा कि लड़कियों को न केवल बच्चे रहना चाहिए बल्कि उन्हें फलना-फूलना भी चाहिए। देश

में बालिकाओं के सामने सबसे पहली बाधा उनका जन्म लेना ही है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता है कि कई परिवारों को यह सुनकर निराशा या हाताशा महसूस हो सकती है कि बच्चा लड़का नहीं बल्कि लड़की है।



अनुकूल वातावरण की ओर’ विषय पर राष्ट्रीय वार्षिक परामर्श कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

न्यायमूर्ति नागरत्ता ने पोषण देखभाल के महत्त्व पर जोर देते हुए कहा कि उचित पोषण के बिना, बालिकाओं के उत्थान के सभी प्रयास

**एजेंसी नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बबील नागरत्ता ने कुछ राज्यों में कन्या भ्रूणहत्या के कारण बिगड़ते लिंगानुपात पर शनिवार को वित्ता व्यक्त की। जस्टिस नागरत्ता ने कहा कि लड़कियों को न केवल बच्चे



## ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगो को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनका आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्लूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

### जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या

हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिंगजैंग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

### पेड़ों की पतियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पतियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पतियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन चूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्ये से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टेक्सास तक पहुंच जाते हैं।

### सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।



रो

मांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। इकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मरी उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुकसान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नु (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-

## रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा



तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग

खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक

मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।



## जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

‘मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है, हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी’ मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन ‘पर्च’ नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले

कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे ‘आरोही’ मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।



कि

सी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या टिविस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को टिविस्ट करता हुआ जो उड़ता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटेरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द ‘ट्रोनाडा’ से बना है जिसका मतलब है ‘थंडरस्टॉर्म।’ टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमरेस्ट्री लेंब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवी की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं। हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास

## हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के ‘टॉरनेडो ऐली’ रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए ‘पल्स डॉलर राडार’ की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यतः किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो

सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पैसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है। इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे ‘आई’ यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गर्मी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी

अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉलर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है। इनका टायफून नाम अरबी भाषा के ‘तूफान’ शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक माथथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस ‘टायफोन’ से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता ‘हुराकान’ को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।





अनिल अंबानी पर संकट! अब CBI ने किया एक और खुलासा, समझें पूरा मामला

एजेंसी

अनिल अंबानी की मुसीबतें खत्म ही नहीं हो रही है। अब खबर है कि सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने अनिल अंबानी के रिलायंस एडीए रूफ और यस बैंक के सह-संस्थापक राणा कपूर के खिलाफ दायर चार्जशीट में दावा किया है कि दोनों पक्षों ने अपने व्यावसायिक हितों को साधने और वित्तीय संकट को छिपाने के लिए एक सोची-समझी आपसी लाभ आधारित सौदेबाजी की थी। एजेंसी के अनुसार, इस व्यवस्था के तहत सार्वजनिक फंड का दुरुपयोग करते हुए फंड्स को बार-बार जारी, पुनर्निवेशित और चुकाया गया, जिससे दोनों की कंपनियों को आर्थिक सहाय मिलता रहा।

चार्जशीट में क्या कहा गया

चार्जशीट में कहा गया है कि एडीए रूफ की कंपनियों, यस बैंक और रिलायंस निर्रॉन एसेट मैनेजमेंट के बीच यह लेनदेन की श्रृंखला ऐसे ढंग से रची गई थी जिससे भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के म्यूचुअल फंड नियमों को दरकिनार किया जा सकें। सेबी के नियमों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड अपने समूह या संबद्ध कंपनियों में निजी प्लेसमेंट के जरिए निवेश नहीं कर सकते, लेकिन आरोप है कि इस नियम को चकमा देने के लिए पूरे नेटवर्क को एक वैध निवेश की तरह पेश किया गया।

CBI का कहना है कि अनिल अंबानी और राणा कपूर ने आपसी वित्तीय सहयोग की प्रणाली तैयार की, जिसमें एडीए रूफ की कंपनियों को यस बैंक से भारी भरकम फंडिंग मिली, जबकि यस बैंक को रिलायंस निर्रॉन म्यूचुअल फंड से अपने पूंजी साधनों में बड़े निवेश प्राप्त हुए। इससे एक धन का चक्रीय प्रवाह बना - जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे को पूंजी समर्थन देते हुए अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत दिखाने का प्रयास कर रहे थे।

जय अनमोल अंबानी की भूमिका पर नजर

जांच एजेंसी ने दावा किया है कि अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी ने में निवेश निर्णयों पर सीधा प्रभाव डाला, जबकि उस समय कंपनी शेयर बाजार में लिस्टिंग की तैयारी कर रही थी। सीबीआई के अनुसार, के पास आम निवेशकों के पैसे से जुटाए गए हजारों करोड़ रुपये के फंड थे, जिन्हें लंबे समय के डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाना था।

15 अक्टूबर से खुल रहा एक और IPO, प्राइस बैंड हुआ तय, चेक करें GMP समेत अन्य डिटेल



एजेंसी

नई दिल्ली। अगर आप आईपीओ में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए एक और खास मौका आ रहा है। अगले सप्ताह से क्वार्टर ज प्रोसेसर मिडवेस्ट लिमिटेड का आईपीओ निवेश के लिए ओपन होगा। कंपनी ने बयान के मुताबिक, यह आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा और 17 अक्टूबर को बंद होगा। कंपनी की ओर से शनिवार को जारी बयान में कहा इसने अपने आने वाले आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1,014 से 1,065 रुपये प्रति शेयर फिक्स कर दिया है। इससे 451 करोड़ रुपये जुटाने का प्लान है। एंकर बुक 14 अक्टूबर को खुलेगी और शेयर 24 अक्टूबर को लिस्ट करने का प्रपोजल है। बता दें कि कंपनी के शेयर अभी ग्रे मार्केट में ट्रेड नहीं कर रहे हैं।

क्या है डिटेल

इस आईपीओ में 250 करोड़ रुपये का फेश इश्यू है और 201 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल है। फेश इश्यू से 130.3 करोड़ रुपये अपनी सब्सिडियरी मिडवेस्ट नियोरटोन के क्वार्टर फैसिलिटी के फेज टू एक्सपैंशन में लगेगी। 25.7 करोड़ इलेक्ट्रिक डंप ट्रक्स खरीदने में और 3.2 करोड़ चुनिंदा माइंस में सोलर एनर्जी इंटीग्रेशन के लिए इस्तेमाल लगे। इसके अलावा 56.2 करोड़ कर्ज चुकाने में जाएंगे, बाकी जनरल कॉर्पोरेट कामों के लिए है। जून 2025 तक कंसोलिडेटेड बकाया कर्ज 270.1 करोड़ था।

कंपनी का कारोबार

कंपनी भारत की सबसे बड़ी ब्लैक गैलेक्सी और एक्सोल्यूट ब्लैक ग्रेनाइट प्रोड्यूसर है। करीब 40 साल से नेचुरल स्टोन के बिजनेस में लगी इस कंपनी ने ग्रेनाइट से आगे बढ़कर क्वार्टर प्रोसेसिंग में कदम रखा है। इसका फेज वन प्लांट इंडीनिबर्ग स्टोन और सोलर ग्लास के सेगमेंट को सप्लाई करता है।

ट्रंप के 100 टैरिफ ऐलान पर चीन का पलटवार, कहा- हर स्थिति के लिए तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से चीन पर 100 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने पर अब चीन ने भी पलटवार किया है.जवाब में चीन ने सख्त चेतावनी दी है कि वह शांति और बातचीत को तबज्जो देता है, लेकिन अगर उकसाया गया तो वह पीछे नहीं हटेगा और जवाबी कार्रवाई करेगा. चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने ऑनलाइन बयान में कहा कि हमारा रुख साफ है. हम टैरिफ युद्ध नहीं चाहते, लेकिन हम इससे डरते भी नहीं. बयान में यह भी कहा गया कि अगर अमेरिका अपनी ज़िद पर अड़ा रहा, तो चीन अपने हितों की रक्षा के लिए मजबूत कदम उठाएगा. मंत्रालय ने बातचीत की ज़रूरत पर जोर



दिया, लेकिन यह भी साफ किया कि अगर तनाव बढ़ा तो वह अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए +कड़ जवाब देगा.यह बयान ट्रंप की धमकी के दो दिन बाद आया, जिसमें उन्होंने 1 नवंबर तक चीन से आयात पर टैरिफ बढ़ाने की बात कही थी. यह धमकी चीन के नए नियमों के जवाब में थी, जिसमें दुर्लभ मृदा के निर्यात

पर पाबंदी लगाई गई है. ये खनिज कई उपभोक्ता और सैन्य उत्पादों के लिए ज़रूरी हैं.

रेयर अर्थ पर विवाद

चीन इन रणनीतिक खनिजों की वैश्विक आपूर्ति में बड़ा खिलाड़ी है. वह 70व खनिन और 90व प्रसस्करण निर्यात करता है. नए नियमों के तहत, विदेशी कंपनियों को चीनी दुर्लभ मृदा वाले सामान भेजने के लिए विशेष लाइसेंस लेना होगा. ट्रंप प्रशासन इसे आर्थिक हथियार मानता है. ट्रंप ने चीन पर दुनिया की बंधक बनाने का आरोप लगाया और कहा कि यह न सिर्फ अमेरिकी कंपनियों, बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी खतरा है. इस तनाव पर नए और चीनी नेता शी जिनपिंग की संभावित मुलाकात पटरी से उतर

खत्म हो जाएगा पंप एंड डंप का खेल, सेबी जल्द लॉन्च करेगा एडवांस एनालिटिक्स टूल

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में बीते दिनों जेन स्ट्रीट जैसी विदेशी कंपनियों की ओर से की गई धोखाधड़ी खूब चर्चा में रही थी. कैसे कंपनियों ने कॉल-पुट के जरिए निवेशकों को तागड़ा चूना लगाया था. उसके बारे में सोशल मीडिया पर भी बहुत हल्ला हुआ था. इसी तरह निवेशक पंप एंड डंप के जरिए भी बाजार को प्रभावित करते हैं. सेबी इन पंप एंड डंप के जरिए झोल करने वाली कंपनियों और लोगों पर और सख्ती से नकेल कसने की तैयारी में है. मार्केट रेगुलेटर एडवांस एनालिटिक्स टूल पर काम कर रहा है, जिससे फ्रॉड को और तेजी से पकड़ा जा सकेगा.

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने हाल ही में बीएसई ब्रोकर्स फोरम (BBF) के एक इवेंट में बताया कि अब वो मार्केट की निगरानी को और स्मार्ट बनाने की

दिशा में काम कर रहे हैं. पहले जहां रिफ्लिक्ट सुपरविजन होता था, अब वो प्रेडिक्टिव ओवरसाइट की ओर बढ़ रहे हैं. इसके लिए सेबी ने अपने डेटा वेयरहाउस सिस्टम को अपडेट किया है. इससे पंप-एंड-डंप जैसे फ्रॉड को पकड़ना आसान होगा. नए रूल-बेस्ड अलर्ट्स की मदद से बड़े सौदों में होने वाली गड़बड़ियों का भी पता लगाया जा सकेगा.

पंप-एंड-डंप स्क्रीम्स को पकड़ने की तकनीक तुहिन कांता पांडे ने कहा कि पंप-एंड-डंप स्क्रीम्स एक खास पैटर्न फॉलो करती हैं, जिन्हें डेटा एनालिसिस से पकड़ा जा सकता है. सेबी के कई ऑर्डर्स में ये पैटर्न दिखे हैं.

नई तकनीक से अब ऐसे मामलों को पहले से पकड़ना आसान होगा, जिससे सेबी तेजी से एक्शन ले सकेगा. सेबी डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स (DPs) के लिए भी एक सेफ्टी नेट सिस्टम लाने की योजना बना रहा है.

चांदी पर गहराया सप्लाई संकट, तेजी भाग रहे हैं भावज्जन कंपनियों ने Silver ETF में रोका निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में बढ़ती चांदी की कीमतों ने फंड मैनेजर्स की भी चिंता बढ़ा दी है. सप्लाई की कमी के चलते चांदी के दाम बढ़ते जा रहे हैं. यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने शनिवार को बताया कि IUI सिल्वर ETF फंड ऑफ फंड में नए लॉन्ग-सम और स्विच-इन निवेश को 13 अक्टूबर 2025 से अस्थायी तौर से रोक दिया गया है. कंपनी ने कहा कि यह फैसला बाजार की स्थिति और देश में फिजिकल चांदी की कमी के कारण लिया गया है. चांदी की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में प्रीमियम में हैं, जिसका असर फंड के वैल्यूएशन पर पड़ रहा है.

इस हफ्ते यह दूसरा मौका है जब सिल्वर-बेस्ड फंड में नए निवेश रोकें गए हैं. इससे पहले कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट ने भी अपने

सिल्वर ETF फंड में नए निवेश पर रोक लगाई थी. कोटक ने कहा कि दिवाली के बाद सप्लाई सुधरने पर यह बैन हटाया जाएगा. गुरुवार को 1,74,000 रुपये प्रति किलो हो गया, जो शुक्रवार की तुलना में 7,000 रुपये ज्यादा है.

क्यों बढ़ रहे हैं भाव?



सप्लॉट सिल्वर ने 51.22 प्रति औंस का नया रिकॉर्ड बनाया, जो पहली बार 51 से ऊपर पहुंचा. भारत में, दिल्ली में शनिवार को चांदी का रेट 1,74,000 रुपये प्रति किलो हो गया, जो शुक्रवार की तुलना में 7,000 रुपये ज्यादा है.

सकती है, और पहले से रुका हुआ टैरिफ युद्ध फिर शुरू हो सकता है.

चीन ने अमेरिका पर लगाया पोर्ट शुल्क

चीन ने भी पलटवार करते हुए कहा कि वह अगले हफ्ते से अमेरिकी जहाजों पर बंदरगाह शुल्क (port fees) लगाएगा. मंत्रालय ने कहा कि निर्यात लाइसेंस सिर्फ वैध नागरिक उपयोग के लिए दिए जाएंगे, लेकिन इन खनिजों का सैन्य उपयोग भी होता है. चीन ने यह भी कहा कि अमेरिका ने हाल ही में कई नए प्रतिबंध लगाए हैं, जिसमें चीनी कंपनियों पर निर्यात नियंत्रण बढ़ाना शामिल है.चीन ने यह भी बताया कि अमेरिका चीनी जहाजों पर नए बंदरगाह शुल्क लगा रहा है, जो मंगलवार से लागू होंगे.

भारत विश्व GDP वृद्धि में 20व का देगा योगदान, पूर्व RBI गवर्नर ने जताया भरोसा

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व आरबीआई गवर्नर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने शनिवार को कहा कि भारत ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में करीब 20व का योगदान देगा. ये मजबूत घरेलू डिमांड और सही इकोनॉमिक और फाइनेंशियल पॉलिसीज की वजह से होगा, जिसने भारत को बाहरी झटकों से निपटने में मदद की है. पुणे के गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स में +बदलती ग्लोबल व्यवस्था में भारतीय इकोनॉमी+ पर 85वें काले मेमोरियल लैक्चर में बोलते हुए, दास ने अमेरिका और बाकी देशों के साथ फ्री ट्रेड अग्रिमंट (एफटीए) की बातचीत में निष्पक्ष और बैलेंस्ड रिजल्ट्स पर भारत के फोकस को हाइलाइट किया.उन्होंने कहा कि ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत

शानदार लचीलापन और डायनामिज्म दिखा रहा है. उन्होंने ये भी बताया कि ग्लोबल इकोनॉमी को बहुत सारी अनिश्चितताओं और पुराने नियम-आधारित, ग्लोबलाइज्ड ट्रेड सिस्टम में बदलाव का सामना करना



पड़ रहा है. दास ने कहा कि कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध ने आत्मनिर्भरता और सप्लाई चेन को मजबूत करने की ज़रूरत को और बढ़ा दिया है.

उन्होंने आगे कहा कि अब स्ट्रेटिजिक ऑटोनामी प्रायोरिटी बन गई है, क्योंकि रोजनल ट्रेड अग्रिमंट्स अब प्रैक्टिकल और छोटे-छोटे ट्रेड गठबंधनों की ओर बढ़ रहे हैं. पिछले एक दशक के स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स और +आत्मनिर्भर भारत+ के विजन की वजह से भारत ने कई ग्लोबल चैलेंजेस का सामना सफलतापूर्वक किया है.

क्रिन्ने है ट्रेड अग्रिमंट्स भारत के पास अभी 14 फ्री ट्रेड अग्रिमंट्स (एफटीए) और 6 प्रीफरेंशियल ट्रेड अग्रिमंट्स (पीटीए) हैं, जिनमें हाल ही में यूके, ऑस्ट्रेलिया, यूईई और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के देशों स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिक्टेनस्टीन के साथ हुए अग्रिमंट्स शामिल हैं.

TCS ने लंबे समय बाद दी शेयरहोल्डर्स को गुड न्यूज, लेकिन चढ़ते बाजार में नुकसान दे गया LIC

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में पिछले हफ्ते एक दिन को छोड़कर बाकी सभी सत्रों में तेजी रही। इस दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,293.65 अंक या 1.59 प्रतिशत चढ़ गया।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1,94,148.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारतीय एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस और इन्फोसिस के बाजार मूल्योंकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय

जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत घट गई। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 45,678.35 करोड़ रुपये बढ़कर 10,95,701.62 करोड़ रुपये हो गया।

इन्फोसिस का बाजार मूल्योंकन 28,125.29 करोड़ रुपये बढ़कर 6,29,080.22 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का मूल्योंकन 25,135.62 करोड़ रुपये बढ़कर 15,07,025.19 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारती टीसीएस को बाजार हैसियत 25,089.27 करोड़ रुपये बढ़कर 11,05,980.35 करोड़ रुपये हो गई।

रिलायंस का मार्केट कैप रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 25,035.08 करोड़ रुपये बढ़कर 18,70,120.06 करोड़ रुपये रहा।

दिवाली पर कैसे मिलेगी आपकी गाड़ी? चीन ने लगा दिया भारत की रफ्तार पर ब्रेक!

एजेंसी

नई दिल्ली। जीएसटी कटौती का फायदा उठाते हुए लोगों ने इस बार नवरात्रि में जमकर कारों की खरीदारी की। अधिकांश ग्राहक दिवाली पर डिलीवरी चाहते हैं लेकिन कंपनियों की अलगा ही समस्या है। दरअसल, चीन ने एक बार फिर से रेयर अर्थ मेटल्स दुर्लभ के ट्रेड पर नियमों को सख्त कर दिया है। मॉडर्न इकोनमी में इनकी काफी अहमियत है और इनकी सप्लाई चेन पर पूरी तरह चीन का कब्जा है। चीन अपने इस दबदबे को एक रणनीतिक हथियार के तौर पर यूज कर रहा है। उसके इस ने भारत समेत उन सभी देशों के लिए और भी मुश्किल खड़ी कर रहा है जो पहले से ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारी टैरिफ से परेशान हैं।

चीन ने 9 अक्टूबर को रेयर अर्थ मेटल्स और उनसे जुड़ी तकनीकों पर अपने निर्यात प्रतिबंधों का दायरा बढ़ा दिया। नए नियमों के तहत अब निर्यातकों को रेयर अर्थ मेटल्स के खनन, उन्हें गलाने, अलग करने, मैनेट बनाने, रीसाइक्लिंग और उनकी प्रोडक्शन लाइन के रखरखाव, मरम्मत या अपग्रेड के लिए इस्तेमाल होने वाली तकनीकों और उपकरणों को भेजने के लिए सरकारी लाइसेंस लेना होगा। साथ ही विदेशी सहयोग पर भी रोक लगाई गई है। अब चीनी कंपनियों और विदेशी सप्लायरों को रेयर अर्थ से जुड़े विदेशी प्रोजेक्ट्स में शामिल होने के लिए मंजूरी लेनी होगी।